संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 305
पृष्ठ 8
गुरुवार
25 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मानसून में इस तरह करें...

विचार- कांवड़ यात्राः नेमप्लेट पर अंतरिम रोक

खेल- आशीष नेहरा ने बताया हार्दिक पंड्या...

काठमांडू एयरपोर्ट पर विमान दुर्घटनाग्रस्त, 18 की मौत

काठमांडू, एजेंसी। एक बार फिर नेपाल में हुए भीषण प्लेन हादसे ने पूरी दुनिया की निगाहें काठमांडू पर टिका दी हैं। एक बार फिर एक और विमान हादसे का शिकार हो गया है। इस विमान में 19 लोग सवार थे जो नेपाल के ही एक एयरपोर्ट पर क्रैश हो गया। तस्वीरें देखकर साफ समझ आ रहा है कि ये हादसा कितना भीषण था। सोशल मीडिया पर अब ये तस्वीरें तेजी से शेयर की जा रही हैं। बता दें कि नेपाल की राजधानी काठमांडू में ये विमान क्रैश हुआ है। प्लेन में क्रू समेत 19 लोग सवार थे। हादसा किन कारणों की वजह से हुआ अभी इसे लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन सबको हैरान कर देने वाली तस्वीरें सामने आई है। क्रैश हुआ ये विमान काठमांडू से पोखरा जा रहा था। इसने त्रिभुवन एयरपोर्ट से ही उड़ान भरी थी। प्लेन ने उड़ान क्या भरी थोड़ी ही देर बाद एक भीषण हादसा हो गया।

तकरीबन 11 बजे ये प्लेन क्रैश हो गया। 15 शव बरामद कर लिए गए हैं। विमान में सौर्य एयरलाइंस के 19 कर्मचारी सवार थे। जानकारी के मुताबिक ये प्लेन शौर्य एयरलाइन का था। काठमांडू पोस्ट की माने तो पुलिस और फायर फाइटर्स की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। रेसक्यू ऑपरेशन भी चलाया गया। हादसे में जानमाल के नुकसान से जुड़ी फिलहाल तो कोई जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन घटनास्थल से आई तस्वीरों में धुएं का गुबार उठता साफ देखा जा सकता है। तस्वीरों को देखकर अंदाजा लग रहा है कि ये हादसा बेहद भीषण था। समाचार पोर्टल ख़बरहब ने बताया कि सौर्या एयरलाइंस के हवाई जहाज में आग लग गई थी और धूएँ का भारी गुबार निकल रहा था। उन्होंने बताया कि विमान में लगी आग को बुझा दिया गया है। पुलिस और अग्निशमन कर्मी दुर्घटनास्थल पर बचाव अभियान चला रहे हैं। यात्रियों की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है। सौर्य एयरलाइंस की उड़ान हिमालयी गणराज्य के एक महत्वपूर्ण पर्यटन केंद्र पोखरा के रास्ते में थी। सौर्य एयरलाइंस विशेष रूप से बॉम्बार्डियर सीआरजे 200 जेट उड़ाती है। नेपाल का वायु उद्योग हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ा है, जो दुर्गम क्षेत्रों के बीच सामान और लोगों के साथ-साथ विदेशी ट्रेकर्स और पर्वतारोहियों को ले जाता है। लेकिन अपर्याप्त प्रशिक्षण और रखरखाव के कारण यह खराब सुरक्षा से ग्रस्त है। यूरोपीय संघ ने सुरक्षा चिंताओं को लेकर अपने हवाई क्षेत्र से सभी नेपाली वाहकों पर प्रतिबंध लगा दिया है। नेपाल में प्रति वर्ष औसतन एक उड़ान दुर्घटना होती है। 2010 के बाद से, हिमालयी गंतव्य में कम से कम 12 घातक विमान दुर्घटनाएँ देखी गई हैं। जनवरी 2023 में, एक दुखद दुर्घटना हुई जब यति एयरलाइंस की एक उड़ान केंद्रीय शहर पोखरा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में यात्रियों और चालक दल के सदस्यों सहित सभी 72 लोगों की जान चली गई। पोखरा के पास पहुंचते ही विमान एक खड़ी खाई में गिर गया, टुकड़े-टुकड़े हो गया और आग की लपटों में घिर गया।

सीएम योगी का एक्शनः चित्रकूट के आरटीओ को किया सस्पेंड

लखनऊ, एजेंसी। सरकारी काम में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर सीएम योगी ने एक्शन लिया है। चित्रकूट में स्कूली बस का फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने में लापरवाही बरतने पर संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) को सस्पेंड कर दिया। जबकि सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) के खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। बता दें कि सीएम योगी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सरकारी कार्यों में किसी भी तरह की हीलाहवाली न की जाए। खासतौर पर भ्रष्टाचार और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों पर सीएम योगी ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दरअसल, मंगलवार (23 जुलाई) को चित्रकूट के श्रीजी इंटर कॉलेज की दो बसों को सीज कर दिया गया था। बसों में बच्चे बैठे हुए थे। बच्चों सहित बस को 10 किमी दूर पुलिस लाइन ले जाया गया। यहां करीब दो घंटे तक बस को खड़ा रखा गया। जानकारी के अनुसार, चित्रकूट संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) (आरई) गुलाब चंद्र को संबंधित स्कूलों में जाकर बसों के फिटनेस चेक करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उनके आदेशों को नहीं माना गया, जिसके कारण दोनों बसों का फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी नहीं हो पाया। ऐसे में वाहनों को सीज करना पड़ा, जिससे बच्चों को भी तकलीफ हुई। बुधवार को मामला संज्ञान में आने के बाद योगी सरकार ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की। आरआई (प्राविधिक) गुलाब चंद्र के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। वहीं, मामले में आरटीओ (प्रवर्तन) विवेक कुमार शुक्ला के विरूद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने की संस्तुति की गई है। साथ ही, प्रदेश में परिवहन विभाग से जुड़े समस्त कर्मियों को भविष्य में इस तरह की लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

महिला श्री साहित्य साधना सम्मान 2024 से आज नवाजी जाएगी सुमन ढ़ींगरा दुग्गल

प्रयागराज । आज 25 जुलाई 2024 (गुरुवार) को एक अलंकरण समारोह में शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की राष्ट्रीय महासचिव सुमन ढ़ींगरा दुग्गल शहर समता विचार मंच की ओर से महिला श्री साहित्य साधना सम्मान 2024 से नवाजी जाएगी एवं उन पर केंद्रित विशेषांक का लोकार्पण भी होगा तथा साथ में 51 सौ रुपये की धनराशि भी प्रदान की जाएगी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीप्रकाश मिश्र करेंगे एवं डॉ रामजी मिश्र मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ कवयित्री प्रेमा राय, डॉ ऊषा मिश्रा तधा डॉ सरोज सिंह विशिष्ट अतिथि रहेगीं।

उक्त जानकारी शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना नें दी ।उन्होंने बताया कि इस आयोजन में शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की चयनित 21 सक्रिय पदाधिकारियों को शहर समता गौरव सम्मान से भी सम्मानित किया जाएगा जिसमें अर्चना चौहान उ0प्र0, शोभा त्रिपाठी छत्तीसगढ़,उमा मिश्रा प्रीति म0प्र0, नीता शर्मा शिलांग इकाई मेघालय, अफरोज अजीज दिल्ली इकाई दिल्ली, आनोवारा खातुन विश्वनाथ इकाई असम, रंजना बिनानी तिनसुकिया गोलाघाट इकाई असम, अंजू भारती बिहार, यामा शर्मा महासचिव देहरादून इकाई उत्तराखंड, साधना शुक्ला भोपाल इकाई मध्य प्रदेश,अनीता दूबे जबलपुर इकाई मध्य प्रदेश,सीमा वर्णिका कानपुर इकाई उत्तर प्रदेश, प्रवीणा त्रिवेदी नोएडा इकाई उत्तर प्रदेश, आकाँक्षा पाल प्रयागराज इकाई उत्तर प्रदेश, विभा श्रीवास्तव गोंडा इकाई उत्तर प्रदेश, रितु बाला रस्तोगी, बिजनौर इकाई उत्तर प्रदेश, श्रद्धा कश्यप धम्तरी इकाई छत्तीसगढ़, संगीता बनाफर बिलासपुर छत्तीसगढ़, रीना प्रदीप कुमार हैदराबाद कें नाम उल्लेखनीय हैं।

बजट को लेकर संसद में विपक्ष ने किया विरोध-प्रदर्शन

खड़गे बोले- हम न्याय के लिए लड़ रहे हैं

नयी दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने हाल ही में पेश किए गए केंद्रीय बजट में विपक्षी शासित राज्यों के खिलाफ भेदभाव के खिलाफ आज संसद के अंदर और बाहर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि कई लोगों को (केंद्रीय बजट में) न्याय नहीं मिला। हम न्याय के लिए लड़ रहे हैं। कांग्रेस सांसद अमरिन्दर सिंह राजा वारिंग ने आरोप लगाया कि हम आज पंजाब को न्याय दिलाने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश और बिहार को सब कुछ आवंटित किया गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब को बाढ़ सहायता भी नहीं दी गई। पंजाब ने बीजेपी को एक भी सीट नहीं दी और यही कारण है कि राज्य की अनदेखी

की गई है। आरएसपी सांसद एनके प्रेमचंद्रन ने दावा किया कि कुछ राज्यों के साथ पूर्ण भेदभाव किया गया है। बिहार और आंध्र प्रदेश को इतनी सारी परियोजनाएं आवंटित की गई हैं। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में, सरकार को समर्थन देने वाले कुछ राज्यों को बढ़ावा देना संविधान की भावना के विरुद्ध है। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश को कुछ देने की बात तो छोड़िए, (बजट में) इसका नाम तक नहीं लिया गया... सरकार बचाने के लिए वे कुछ को धन दे रहे हैं और दूसरों को नजरअंदाज कर रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि यह बजट श्लाडला बिहार, लाडला आंध्र प्रदेश और लाडला ओडिशाश के लिए है। आंध्र प्रदेश ने विशेष पैकेज मांगा था लेकिन राज्य को 15,000 करोड़ रुपये देकर उनका मुंह बंद कर दिया गया। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि उन्होंने अपने गठबंधन को बचाने के लिए बजट में सभी राज्यों को छोड़ दिया है और केवल दो राज्यों पर ध्यान केंद्रित किया है।

शंभू सीमा पर बनी रहेगी यथास्थिति, सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि अंबाला के पास शंभू सीमा पर यथास्थिति बनाए रखी जाए। शंभू बॉर्डर पर किसान 13 फरवरी से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अदालत ने पंजाब और हरियाणा की सरकारों को चरणबद्ध तरीके से बैरिकेड हटाने का काम शुरू करने का निर्देश दिया है। शंभू सीमा पर चल रहे प्रदर्शनों के कारण जनता को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए। शीर्ष अदालत ने किसानों और अन्य हितधारकों के बीच बातचीत की सुविधा के लिए एक स्वतंत्र समिति के गठन का भी प्रस्ताव दिया है। प्रतिष्ठित व्यक्तियों वाली इस समिति को किसानों की मांगों के लिए उचित, उचित और इसमें शामिल सभी पक्षों के हित में व्यवहार्य समाधान तलाशने का काम सौंपा जाएगा। इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अनुरोध किया है कि पंजाब और हरियाणा सरकारें एक सप्ताह के भीतर संभावित समिति सदस्यों के नाम प्रस्तुत करें।

दुर्गा मूर्ति पर ममता बनर्जी का चौंकाने वाला बयान, कहा- इससे भगदड़ मचने का डर

नई दिल्ली, एजेंसी। 112 फीट की मूर्ति पर ममता बनर्जी ने सवाल उठाया है। ममता बनर्जी का कहना है कि मूर्ति से भगदड़ मचने का डर है। ममता बनर्जी ने दावा किया है कि इतनी बड़ी मूर्ति की कोई जरूरत नहीं है। दरअसल, दुर्गा पूजा को लेकर एक विशाल मूर्ति बनाई जा रही है, जिसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल होना है। लेकिन इसको लेकर ममता बनर्जी ने कहा कि इतनी बड़ी मूर्ति की जरूरत नहीं है और इससे भगदड़ मचने का डर है।

नैनी जेल की 21 फीट ऊंची दीवार कूदकर भागा कालिया

जेल में 7 आतंकवादी और अतीक का बेटा बंद हैं, 4 पुलिसवाले सस्पेंड

प्रयागराज। प्रयागराज की नैनी सेंट्रल जेल की 21 फीट ऊंची दीवार फांदकर गैंगरेप का दोषी कालिया भाग गया। मौका पाते ही पेड़ पर चढ़ा और फिल्मी स्टाइल दीवार फांद गया। इस हाई सिक्योरिटी जेल में जम्मू–कश्मीर के 7 आतंकवादी और अतीक के बेटे अली समेत 3600 अपराधी बंद हैं। मामला 20 जुलाई का है। हालांकि, जेल प्रशासन घटना को दबाने में जुटा था। जब बुधवार को 4 सिपाहियों को सस्पेंड किया गया, तब मामले का खुलासा हुआ।

गिनती के दौरान पता चला एक कैदी कम

पुलिस के अनुसार, महोबा के पसवारा गांव निवासी कालीचरण उर्फ कलिया (28) को गैंगरेप के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई। 9 मार्च को महोबा से उसे नैनी जेल शिफ्ट किया गया। 20 जुलाई को कैदियों को काम कराने के लिए जेल कैंपस के कृषि फॉर्म ले जाया गया। कैदियों में कालिया भी शामिल था। यहां वह खाद बनाने का काम करता था। शाम को बैरक में वापसी के समय जब कैदियों की गिनती की गई तो पता चला कि कालिया फरार हो गया है।

जेल कैंपस में चला सर्च अभियान : कालिया को जेल कैंपस में सर्च किया गया, लेकिन नहीं मिला। उसके साथ बैरक में बंद कैदियों से पूछताछ की गई। 3 दिन तक अपने स्तर पर जेल प्रशासन कालिया की तलाश में जुटा रहा। जब वह नहीं मिला तो नैनी थाने में मामला दर्ज कराया।

जेल वार्डन और सिपाहियों से पूछताछ : मामले में जेल वार्डन और सुरक्षा में तैनात सिपाहियों से पूछताछ की गई। इसके बाद सिपाही बलवीर यादव, अभिषेक सिंह, आशुतोष चतुर्वेदी और बृजेश यादव को सस्पेंड कर दिया गया। इन चारों के बयान दर्ज किए गए।

21 फीट की दीवार कैसे फांद गया कालिया?

जांच में सामने आया कि कालिया कृषि फॉर्म हाउस से ही फरार हुआ। फॉर्म हाउस से जुड़े 2 गेट हैं। एक गेट बाहर से सामान लाने और ले जाने के लिए इस्तेमाल होता है। दूसरा कैदियों को फॉर्म हाउस तक ले जाने के लिए है। कालिया लेप्रोसी चौराहे की तरफ जेल की दीवार पर पेड़ के सहारे चढ़ गया। जब सभी कैदी वहां से चले गए तो दीवार फांदकर फरार हो गया। जेल के रिटायर्ड कर्मियों ने ऑफ कैमरा बताया– जो गेट सामान लाने और ले जाने के लिए है। वह शहर की तरफ खुलता है। फॉर्म हाउस महिला जेल से सटा हुआ है, लेकिन इसकी दीवारें करीब 21 फीट ऊंची हैं। ऐसे में दीवार फांदना मुश्किल है। जेल सूत्रों की मानें तो जांच इस बात पर भी हो रही है कि कालिया की फरारी में कहीं कोई जेलकर्मी तो शामिल नहीं है।

मां ने डांटा तो बड़े बेटे ने हत्या कर दी

प्रयागराज में करोबारी की पत्नी की हत्या का राज खुला, बेटा गिरफ्तार, कबूली वारदात

प्रयागराज। के करेली इलाके में महिला की हत्या और लूटपाट के मामले से पुलिस ने पर्दा उठा दिया। करेली थाना क्षेत्र के नयापुरा भावापुर की रहने वाले सुभद्रा (54) का कत्ल उसके सगे बेटे सचिन ने किया था। पुलिस ने सचिन को गिरफ्तार कर लिया है। उसने मां के कत्ल का जुर्म कबूल कर लिया है। सचिन

स्टेशनरी की दुकान पर नहीं बैठ रहा था। मां दुकान पर जाकर बैठने के लिए सचिन को रोज डांटती थी। काम में मन न लगने की वजह से आए दिन मां से उसका झगड़ा होता था। सचिन दुकान का काफी पैसा भी खा गया था। रविवार सुबह मां ने डांटना शुरू किया तो सचिन तैश में आ गया। उसने लोहे के खल बट्घ्टे यानि खलल मुसल से हमला कर दिया। मां लहूलुहान होकर गिरी और दम तोड़ दिया। इसके बाद सचिन ने घर का सामान बिखेर दिया ताकि ऐसा लगे कि लूटपाट हुई है। वही पुलिस को गुमराह करता रहा कि हत्या के बाद लाखों रुपये लूटे गए हैं। उसके बयानों में विरोधाभास की वजह से पुलिस को शक हो गया। उसके मोबाइल की लोकेशन भी हत्या के बाद घर के आसपास पाई गई।

21 जुलाई को हुई थी सनसनीखेज हत्याक : करेली थाना क्षेत्र के भावापुर मोहल्ले में रविवार रात सनसनीखेज हत्या हुई थी। बुजुर्ग महिला घर में अकेली थी तभी उसे मार दिया गया था। तब घरवालों ने हत्या और लूट का हल्ला मचाया था। मनीराम पाल मूल रूप से कानपुर के बिल्हौर के रहने वाले हैं। वह हाईकोर्ट के पास फोटोस्टेट की दुकान चलाते हैं। परिवार के साथ करेली के नयापुरवा मोहल्ले में किराए के मकान में रहते हैं। घर में पत्नी सुभद्रा (54) के अलावा बड़ा बेटा सचिन रहता था। उसका छोटा बेटा कुछ दिनों से गांव गया हुआ था। सचिन भावापुर चौराहे पर स्टेशनरी की दुकान चलाता है।

तब सचिन ने दिया था झूठा बयान : मां की हत्या के बाद सचिन ने पुलिस को बताया था कि रोज की तरह सुबह साढ़े नौ बजे पिता दुकान चले गए। 12.30 बजे वह भी दुकान चला गया। इस दौरान मां घर पर अकेली थी। शाम छह बजे वापस आया तो मेन गेट बंद तो था लेकिन भीतर से कुंडी नहीं लगी थी। वह जैसे ही अंदर गया उसकी चीख निकल गई। मां बिस्तर पर खून से लथपथ पड़ी थी और सारा सामान बिखरा हुआ था। उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग जुट गए और फिर जानकारी पाकर पुलिस पहुंच गई।

रेलवे स्टेशनों पर पान–गुटखा थूकने वालों पर लगा जुर्माना

प्रयागराज मंडल में एक दिन में 110 यात्री पकड़े गए, 12 हजार का लगा फाइन

प्रयागराज। यूपी के रेलवे स्टेशनों पर पान–गुटखा थूकने वालों से अब जुर्माना वसूला जा रहा है। प्रयागराज मंडल में 23 जुलाई को ही गुटखा, पान थूक कर गंदगी फैलाने वाले 110 लोगों को पकड़ा गया। इन यात्रियों ने 11,850 रुपए जुर्माना भरा। करोड़ों रुपए खर्च कर रेलवे स्टेशन को संवारा जा रहा है। लेकिन गंदगी फैलाने वाले यात्री बाज नहीं आ रहे हैं। रेलवे के आंकड़े यही बताते हैं। प्रयागराज मंडल की बात करें तो वित्तीय वर्ष 2024–25 में गुटखा, पान थूक कर गंदगी फैलाने वाले 3191 यात्रियों का पकड़ा गया। इन लोगों से रेलवे ने 3,75,940 रुपए जुर्माना वसूला। इसी प्रकार धूम्रपान करने वाले 97 लोगों से 19,400 रुपए वसूल किए गए।

थूकने वालों का रिकॉर्ड देखिए : अब बात करते हैं, साल 2023–24 में हुई कार्रवाई की। प्रयागराज मंडल में धूम्रपान करने वाले 204 लोगों को पकड़ा गया। इन यात्रियों से 41,200 रुपए जुर्माना वसूला गया। जबकि 15759 लोग गुटखा, पान या फिर अन्य गंदगी फैलाने के दौरान पकड़े गए। इन यात्रियों से 17,92,416 रुपए वसूल किए गए।

प्रयागराज जंक्शन समेत 12 स्टेशनों पर चला अभियान

प्रयागराज मंडल के डीआरएम हिमांशु बडोनी के निर्देशन में इन दिनों मंडल के सभी स्टेशनों पर अभियान चलाया जा रहा है। स्टेशन को साफ–सुथरा बनाए रखने के लिए यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है। प्रयागराज जंक्शन और कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर बोतल क्रशिंग मशीन लगाई गई है। सभी स्टेशनों के कैटरिंग स्टॉल पर स्वच्छता का विशेष अभियान चलाया जा रहा रहा है। प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ जंक्शन, टूंडला जंक्शन, इटावा, मिर्जापुर, फतेहपुर, फफूंद, प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज, मानिकपुर और विंध्याचल स्टेशनों पर अभियान चलाया गया है।

धूमनगंज, शाहगंज और करेली के थाना प्रभारी बदले

पुलिस कमिश्नर ने नैनी और सोरांव के थाना प्रभारियों को पुलिस लाइन भेजा

प्रयागराज। प्रयागराज कमिश्नरेट में थाना प्रभारियों को इधर से उधर किया गया है। थाना प्रभारी सोरांव और नैनी को लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने इंस्पेक्टर बृजेश तिवारी को थाना सोरांव का प्रभारी बनाया है। प्रवीण कुमार गौतम को थाना प्रभारी फूलपुर बना दिया गया। अश्वनी कुमार सिंह को थाना फाफामऊ का चार्ज दिया गया है। धूमनगंज थाना प्रभारी रहे वैभव सिंह को नैनी थाना प्रभारी, नितेंद्र कुमार शुक्ला को थाना प्रभारी कोरांव बनाया गया। इसी प्रकार धूमनगंज थाने का प्रभार करेली के प्रभारी रहे अमरनाथ राय को सौंपा गया है। विनय कुमार सिंह को थाना शाहगंज प्रभारी बनाया गया है। तरुण गाबा के प्रयागराज पुलिस कमिश्नर बनने के बाद यह पहला फेरबदल है। इससे पहले पुलिस कमिश्नर रहे रमित शर्मा ने बड़े स्तर पर इंस्पेक्टरों को इधर से उधर किया था।

प्रयागराज के महाकुंभ को लेकर एपेक्स कमेटी की बैठक

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ेंगे अधिकारी, 30 परियोजनाओं के लिए 115 करोड़ की हो सकती है घोषणा

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ की तैयारियां चल रही है। कुंभ परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन भी होने लगा है। महाकुंभ को लेकर एपेक्स कमेटी की बैठक आज बुधवार को होगी। यह बैठक लखनऊ में होगी। माना जा रहा है कि बैठक में 30 परियोजनाओं के लिए मांगे गए 115 करोड़ रुपए का आवंटन आज की बैठक में कर दिया जाए। बजट के आवंटन के बाद प्रयागराज में इन परियोजनाओं पर काम शुरू हो जाएगा। इसमें पर्यटन, चिकित्सा, जल निगम की योजनाएं हैं। महाकुंभ को लेकर होने वाली बैठक मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में होगी। कुंभ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद बैठक में शामिल होने के लिए लखनऊ चले गए हैं।

आरओ–एआरओ पेपर लीक कांड के मास्टर माइंड को जमानत

हाईकोर्ट से राजीव नयन मिश्र को बड़ी राहत, पुलिस भर्ती पेपर लीक का भी मुख्य आरोपी है

प्रयागराज। आरओ–एआरओ पेपर लीक कांड के मुख्य आरोपी राजीव नयन मिश्रा को एक और मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। राजीव नयन यूपी पुलिस सिपाही भर्ती पेपर लीक मामले का भी मास्टरमाइंड रहा है। प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में दर्ज मामले में राजीव को हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार पचौरी की सिंगल बेंच ने जमानत दी है। 2 मार्च को यूपी लोक सेवा आयोग के सचिव अशोक कुमार ने आरओ–एआरओ पेपर लीक मामले में प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज कराया था। पुलिस जांच में राजीव नयन मिश्रा का नाम मास्टरमाइंड का रूप में सामने आया था।

4 भर्ती परीक्षा लीक मामलों के आरोप

11 फरवरी, 2024 को आरओ/एआरओ का पेपर हुआ था। पेपर लीक होने के बाद राजीव नयन मिश्रा का नाम सामने आया। राजीव अब तक कुल 4 भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में पकड़ा गया। आरोप था कि चारों परीक्षा में उसे परीक्षा से पहले ही 50–50 लाख रुपए से ज्यादा मिले थे। राजीव कई पेपर लीक मामलों में शामिल होने और जेल जाने के बाद भी इसी धंधे में लगा रहा। यूपी पुलिस भर्ती और आरओ–एआरओ परीक्षा में वह मास्टरमाइंड बनकर सामने आया। आरओ–एआरओ का पेपर उसने प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी सुशील रघुवंशी से 10 लाख में लिया था। उस पेपर को उसने करीब 15 लोगों को भेजा था। अब तक जो लोग पकड़े गए हैं, उनकी बात माने तो करीब 1 करोड़ रुपए राजीव को मिल चुके थे। आरओ–एआरओ भर्ती परीक्षा में 10 लाख से ज्यादा और पुलिस सिपाही भर्ती में 40 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स शामिल हुए थे।

मेरठ, नोएडा और कौशांबी के मामलों में पहले जमानत मिली

राजीव नयन मिश्रा को मेरठ, नोएडा और कौशांबी में दर्ज मामलों में पहले ही इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। कौशांबी पुलिस ने आरओ–एआरओ पेपर लीक मामले में मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्रा समेत 23 सदस्यों पर गैंगस्टर लगा दिया है। कौशाम्बी पुलिस ने मंझनपुर, कोखराज व प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में दर्ज मुकदमों को आधार बनाकर ही गैंगस्टर की कार्रवाई की है।

2019 में राजीव ने बनाया गिरोह

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, 2019 में राजीव भोपाल के ही तरुणेश अजारिया से मिला। तरुणेश पैसा लेकर भर्ती परीक्षाओं में धांधली करवाने का काम करता था। तरुणेश से जुड़ने के बाद अतुल वत्स ने राजीव की मुलाकात डॉ. शरद पटेल से करवाई। शरद उस वक्त पेपर लीक गिरोह को ऑपरेट करता था। शरद ने राजीव की मुलाकात नोएडा के रवि अत्री से करवाई। इस तरह से यह पूरा गैंग बन गया। नवंबर, 2021 में यूपी अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का पेपर लीक हुआ। पुलिस ने जांच शुरू की तो इसमें राजीव का नाम सामने आया। कौशांबी की क्राइम ब्रांच पुलिस ने उसे लखनऊ से गिरफ्तार किया। मंझनपुर थाने में केस दर्ज किया गया। फिर जेल भेज दिया गया। पड़ताल में सामने आया कि जम्ज का पेपर संतोष चौरसिया ने लीक कर राजीव को दिया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 2023 में स्टाफ नर्स की संविदा भर्ती निकाली गई थी। राजीव और तरुणेश अजारिया ने इसका पेपर भी लीक करवा दिया। दोनों ने ऑनलाइन परीक्षा कराने वाली कंपनी डम्स के कर्मचारियों से साठगांठ की थी। कहते हैं, इसमें राजीव ने करीब 50 लाख रुपए कमाए थे। ग्वालियर में मामला दर्ज हुआ और उसे फिर से जेल हुई। लेकिन, कुछ वक्त के बाद ही उसे जमानत मिल गई।

अतीक–अशरफ हत्याकांड की चार्जशीट में हुआ बदलाव

प्रयागराज के फास्ट ट्रैक कोर्ट में इंस्पेक्टर देंगे गवाही, वीसी से जुड़ेंगे तीनों आरोपी

प्रयागराज। प्रयागराज के बहुचर्चित माफिया अतीक–अशरफ हत्याकांड में गवाही शुरू हो गई है। माफिया अतीक और अशरफ तत्कालीन धूमनगंज इंस्पेक्टर राजेश मौर्या के नेतृत्व वाली पुलिस टीम की अभिरक्षा में थे। राजेश मौर्या चश्मदीद गवाह हैं। ऐसे में उन्हें 8 अगस्त को गवाही के लिए बुलाया गया है। साथ ही डबल मर्डर की चार्जशीट में कुछ बदलाव किया गया है। चार्जशीट लिखा गया था– कॉन्स्टेबल मान सिंह पर कातिलाना हमला हुआ, जबकि हत्याकांड के दौरान सिपाही पर हमला नहीं किया गया। इसमें बदलाव कर चार्जशीट को पूरक बनाया गया।

श्री बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर का रास्ता साफ, सेना से मिली अनुमति, पीडीए जल्द शुरू करेगा कार्य

प्रयागराज। संगम तट पर श्री बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। सेना ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) को अनुमति दे दी है। निर्माण जल्द ही शुरू हो जाएगा। कॉरिडोर का काम दो चरणों में होगा। पहले चरण का काम दिसंबर तक पूरा करना होगा। दूसरे चरण का काम महाकुंभ के बाद होगा। इसके लिए 38.18 करोड़ का टेंडर हुआ है। श्री बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर बनाने के लिए पीडीए ने पिछले हफ्ते बोर्ड की बैठक में सेना को जमीन देने पर सहमति दे दी थी। कॉरिडोर के लिए 11,186 वर्ग मीटर (2.76 एकड़) जमीन चाहिए। बदले में सेना को नीवां में 19 हजार हेक्टेयर जमीन दी जाएगी। जमीन की अदला–बदली की प्रक्रिया चल रही है। इसी बीच महाकुंभ को देखते हुए सेना ने पीडीए को निर्माण की अनुमति दे दी। जल्द ही वहां पर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। पीडीए के अधिकारी मौका–मुआयना कर चुके हैं। निर्माण से पहले पुराने भवनों को गिराया जाएगा और कब्जे भी हटाए जाएंगे। वर्तमान में मंदिर का जितना परिसर है, वहीं पर नया निर्माण होगा। कॉरिडोर बनने के बाद प्रवेश और निकास सुव्यवस्थित हो जाएगा। साथ ही पूजन सामग्री और प्रसाद की दुकानों का स्थान परिवर्तित होगा।

बनेंगे छह द्वार, अक्षयवट मार्ग से प्रवेश

श्री बड़े हनुमान मंदिर में छह द्वार बनाए जाएंगे। अभी बांध से उतरते ही श्रद्धालु मंदिर में प्रवेश कर जाते हैं, लेकिन कॉरिडोर बनने के बाद यह निकास द्वार होगा और बांध से उतरने वाली सड़क सीढ़ीदार बनाई जाएगी। यह सीढ़ी दर्शन करके लौटने वालों के लिए होगी। इसी के बगल में एक और निकास द्वार होगा, जो शंकर विमान मंडपम वाले रास्ते पर खुलेगा। प्रवेश की व्यवस्था अक्षयवट मार्ग की ओर से होगी। श्रद्धालुओं को त्रिवेणी बांध से उतरकर अक्षयवट मार्ग पर जाना होगा। मंदिर के पूर्व दिशा में तीन और द्वार होंगे।

बनाई जाएगी करीब 40 दुकानें

पूजा सामग्री और प्रसाद वितरण के लिए करीब 40 दुकानों का निर्माण कराया जाएगा। यह दुकानें कॉरिडोर की बाउंड्री पर होगी। अभी प्रसाद की दुकानें मंदिर के पश्चिम में किला की दीवार से लगकर बनी हैं। वहां से दुकानें हटाई जाएंगी। किला की दीवार से लगे हुए निर्माण तोड़कर वहां पर नियंत्रण कक्ष और मंदिर के महंत के लिए कमरे बनाए जाएंगे। मंदिर के गर्भगृह को छोड़कर अन्य कार्य पहले चरण में दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। गर्भगृह का निर्माण वर्तमान मंदिर स्थल पर ही महाकुंभ के बाद कराया जाएगा। मंदिर परिसर में परिक्रमा की पर्याप्त जगह होगी।

कमेटी का मामला लंबित

पीडीए की योजना थी कि कॉरिडोर का निर्माण कराने के बाद मंदिर संचालन की कमेटी बनाई जाएगी। वह कमेटी कॉरिडोर की मरम्मत, मंदिर की सुरक्षा और दुकानों के आवंटन का काम देखेगी। लेकिन इसे लेकर विवाद हो गया। इसलिए पीडीए ने कमेटी के मामला को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। अधिकारियों ने बताया कि निर्माण के बाद कमेटी के गठन पर काम काम होगा।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
बअदालत अपर पारिवारिक न्यायालय कक्ष सं0 4 इलाहाबाद

भरण पोषण वाद संख्या- 3 सन् 2024

(1) शीला यादव उम्र लगभग 25 वर्ष पत्नी विनोद यादव पुत्री ज्वाला प्रसाद यादव निवासी- ग्राम-फाजिलाबाद उर्फ कालूपुर, बहरिया, पोस्ट-सिकन्दरा, थाना-बहरिया, तहसील-फूलपुर, जनपद-प्रयागराज- 212109, **(2) कौशिक यादव उर्फ आरुष यादव** उम्र लगभग 1 वर्ष 9 माह पुत्र विनोद यादव नाबालिग संरक्षिका शीला यादव माता हकीकी निवासी उपरोक्त

प्रार्थिनी / वादिनी

बनाम

विनोद यादव उम्र लगभग 33 वर्ष पुत्र माताबदल यादव निवासी- ग्राम-पूरे धनई नरायनपुर, पोस्ट-नौबस्ता, पिनकोड- 230129 जेठवारा, तहसील-लालगंज, जिला-प्रतापगढ़। कार्यस्थल- अपना रूम नं0 23, 4/6, करीम बाही कोरबा मिस्ठागर बाबा बरकत अली दरगाह मार्ग, बड़ाला पूर्वी, थाना-बड़ाला, मुम्बई, महाराष्टष्ठ-400037 विपक्षी धारा 125 दं0प्र0सं0, थाना-महिला थाना, जनपद-प्रयागराज।

चूंकि उपर नामोंकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए 2024 के 07 के 27 दिवस को 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित आज 08 के 07 के 2024 दिवस को निकाला गया।

ता.पेशी 27/07/2024

न्यायाधीश

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्न रेलगाड़ियां अपने पूर्ण निर्धारित समय, दिन, मार्ग, संरचना एवं ठहराव के अनुसार चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 02525/02526 कामाख्या-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष रेलगाड़ी

कामाख्या से गाड़ी संख्या 02525, प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक : 02.08.2024 से 27.12.2024 तक, **आनन्द विहार टर्मिनल से** गाड़ी संख्या 02526, प्रत्येक रविवार, दिनांक : 04.08.2024 से 29.12.2024 तक

गाड़ी सं. 03417/03418 मालदा टाउन-उधना जंक्शन विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	संचालन का दिन	पूर्व में सूचित तिथि	संचालन की विस्तारित तिथि
03417	मालदा टाउन-उधना जंक्शन	रविवार	28.07.2024	04.08.2024 से 24.11.2024
03418	उधना जंक्शन -मालदा टाउन	मंगलवार	30.07.2024	06.08.2024 से 26.11.2024

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 1260/24(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

संक्षिप्त

निर्मला सीतारमण ने बजट में घोषित किए हैं ये टीडीएस बदलाव, सीधा डालेंगे आम जनता पर असर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश किया है। इस बजट में निर्मला सीतारमण ने टीडीएस ढांचे में बदलाव की भी घोषणा की है। इसका सीधा असर वेतनभोगी यानी सैलरिड लोगों पर होने वाला है। वित्त मंत्री ने घोषणा की कि इन बदलावों से आय पर प्रभाव पड़ेगा और कर प्रक्रिया सरल होगी। उन्होंने आगे कहा, षवित्त विधेयक में दान के लिए कर व्यवस्था, टीडीएस दर संरचना, पुनर्मूल्यांकन और खोज प्रावधानों तथा पूंजीगत लाभ कराधान को सरल बनाकर इसकी शुरुआत की जा रही है।'' अधिनियम की धारा 192 वेतन आय पर स्रोत पर कर कटौती का प्रावधान करती है। निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि मौजूदा प्रावधानों में संशोधन करके सभी भुगतान किए गए टीसीएस और अन्य सभी धाराओं के तहत काटे गए टीडीएस को वेतन आय पर काटे गए टीडीएस के लिए भी माना जाएगा। इससे 1 अक्टूबर 2024 से वेतनभोगी कर्मचारियों के हाथ में अधिक पैसा आएगा, जब ये संशोधन प्रभावी होंगे। अब तक कृषि भूमि के अलावा अन्य अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री मूल्य के भुगतान पर कर की कटौती की सुविधा थी। यह नियम कई क्रेताओं या विक्रेताओं के मामले में अस्पष्ट है, जहां अचल संपत्ति का विक्रय मूल्य या स्टाम्प शुल्क मूल्य 50 लाख रुपये से अधिक है। इस वित्त विधेयक में स्पष्ट किया गया है कि छूट केवल तभी दी जाएगी जब कुल बिक्री मूल्य 50 लाख रुपये से कम हो तथा एक से अधिक विक्रेता या क्रेता हों। कोई व्यक्ति या हिंदू अविभाजित परिवार यदि एक माह या उसके किसी भाग के लिए 50,000 रुपये से अधिक किराया देता है, तो उसे 5 प्रतिशत की राशि के बराबर टीडीएस काटना आवश्यक है। वित्त विधेयक में टीडीएस की लागू दर को 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया गया है। नाबालिग के नाम पर एकत्रित टीसीएस का दावा केवल नाबालिग के नाम पर ही किया जा सकता है, लेकिन बजट में नाबालिग के नाम पर टीसीएस क्रेडिट को माता–पिता की कर देयता के साथ समायोजित करने का प्रावधान किया गया है, जो केवल तभी किया जा सकता है जब नाबालिग की आय माता–पिता के हाथों में जोड़ दी जाए।

एम–एम फाइनेन्स का जून तिमाही का शुद्ध लाभ 45 प्रतिशत बढ़कर 513 करोड़ रुपये पर

महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल–जून तिमाही में शुद्ध लाभ 45 प्रतिशत बढ़कर 513 करोड़ रुपये हो गया है। गैर–बैंकिंग कंपनी का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 353 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी की शुद्ध ब्याज आय जून तिमाही में 15 प्रतिशत बढ़कर 1,932 करोड़ रुपये हो गई तथा ब्याज मार्जिन पिछली तिमाही की समान अवधि के 7.1 प्रतिशत से घटकर 6.6 प्रतिशत रह गया। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान इसकी कुल आय 20 प्रतिशत बढ़कर 3,760 करोड़ रुपये हो गई तथा प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 23 प्रतिशत बढ़कर 1.06 लाख करोड़ रुपये हो गईं। कंपनी की ऋण लागत एक साल पहले की समान तिमाही के 526 करोड़ रुपये से घटकर 448 करोड़ रुपये रह गई, जिससे लाभ वृद्धि में मदद मिली। कंपनी ने एक बयान में कहा कि संग्रह दक्षता 94 प्रतिशत पर बनी हुई है और गैर–निष्पादित परिसंपत्तियां भी सीमा के भीतर हैं।

अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट को सराहा, कहा- घरेलू उपभोक्ताओं को फायदा

वॉशिंगटन। अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने मोदी सरकार के पहले बजट की तारीफ की है। दरअसल अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों के संगठन द यूएस–इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (न्ैप्ैथ्) ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट की सराहना की है और कहा है कि इससे घरेलू उपभोक्ताओं और विदेशी निवेशकों को फायदा होगा। साथ ही बजट में भारत में व्यापार शुरू करने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया गया है। इससे भारत में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। यूएसआईएसपीएफ ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भारत सरकार को अच्छा बजट पेश करने के लिए बधाई भी दी। यूएसआईएसपीएफ ने बयान में कहा कि मोदी सरकार का बजट समावेशी राजकोषीय सावधानी, विकास आधारित पहल के बीच का अच्छा संतुलन है, जो घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही विदेशी निवेशकों को भी फायदा देगा। साथ ही भारत में व्यापार शुरू करने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया गया है। यूएसआईएसपीएफ ने विदेशी कंपनियों पर टैक्स के 35 प्रतिशत घटाने के फैसले का भी स्वागत किया। बयान में कहा गया है कि टैक्स घटाने से न सिर्फ घरेलू और विदेशी निवेशकों के बीच संतुलन बनेगा, साथ ही इससे वैश्विक निवेश को बढ़ावा मिलेगा और कंपनियां चीन से भारत शिफ्ट हो सकेंगी। संगठन ने चिकित्सीय उपकरणों, मोबाइल फोन, चार्जर और सौर ऊर्जा उपकरणों पर टैक्स में कटौती कर अहम फैसला लिया है। इससे घरेलू स्तर पर उत्पादन बढ़ेगा और सप्लाई चेन भी बेहतर होगी, जो भारत में औद्योगिक विकास के लिए अहम है। यूएसआईएसपीएफ के अनुसार, भारत के इनोवेशन सिस्टम में कई गड्ढे हैं, लेकिन एंजेल टैक्स हटाने के फैसले से देश में स्टार्टअप सिस्टम को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही घरेलू और विदेशी स्तर पर फंडिंग भी बढ़ेगी। कैंसर की दवाओं पर टैक्स घटाने की भी तारीफ की गई है। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं और अहम खनिज, ऊर्जा स्थानांतरण नीतियों और डिजिटलीकरण को लेकर किए गए फैसलों की भी यूएसआईएसपीएफ ने तारीफ की।

आशीष नेहरा ने बताया हार्दिक पंड्या का क्यों कप्तानी से कटा पत्ता, गौतम गंभीर को लेकर कही ये बात

आशीष नेहरा ने कहा कि, इसमें हैरानी वाली कोई बात नहीं है। क्रिकेट में ये सब चीजें चलती रहती हैं। जैसा आपने कहा कि हार्दिक टी20 वर्ल्ड कप में उपकप्तान थे तो थोड़ा हैरान जरूर हुए होंगे। लेकिन नए कोच आए हैं और नई सोच भी आई है। हर कप्तान और हर कोच की अलग सोच होती है, इस समय उनकी सोच दूसरी तरफ है।

हार्दिक पंड्या भारतीय टी20 टीम की कप्तानी की रेस में सूर्यकुमार यादव से पिछड़ गए। वह टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम के उपकप्तान थे। रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया जिसके बाद संभावना जताई जा रही थी कि टी20 की कप्तानी हार्दिक को मिलेगी। लेकिन हेड कोच गौतम गंभीर ने श्रीलंका के दौरे के लिए चुनी गई भारतीय टीम का चुनाव करने के बाद हार्दिक को बड़ा झटका दिया गया। वहीं अब आशीष नेहरा ने

हार्दिक को कप्तानी नहीं मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आशीष नेहरा आईपीएल में गुजरात टाइटंस के हेड कोच हैं। मुंबई इंडियंस में वापसी से पहले हार्दिक दो सीजन जीटी के लिए बतौर कप्तान खेले जिसमें से एक जीटी के डेब्यू सीजन में उनकी कप्तानी में टीम चौंपियन बनीं। नेहरा ने स्पोर्ट्स तक पर बातचीत के दौरान कहा कि, इसमें हैरानी वाली कोई बात नहीं है। क्रिकेट में ये सब चीजें चलती रहती हैं। जैसा आपने कहा कि हार्दिक टी20 वर्ल्ड कप में उपकप्तान थे तो थोड़ा हैरान जरूर हुए होंगे। लेकिन नए कोच आए हैं और नई सोच भी आई है। हर कप्तान और हर कोच की अलग सोच होती है, इस समय उनकी सोच दूसरी तरफ है। अगर मैं गलत नहीं हूं तो कुछ दिन पहले अजीत अगरकर और गौतम गंभीर ने कहा कि फिटनेस चाहिए। वह ज्यादातर एक ही फॉर्मेट में खेल रहे हैं। वह 50 ओवर के फॉर्मेट में कम खेलते हैं। ये फैसला हार्दिक किसी भी कप्तान और कोच के लिए मुश्किल है। मैं बस इनता कहूंगा कि सोच अलग हैं। नेहरा ने आगे कहा कि, जितना टैलेंट हार्दिक के पास है, वो इंडियन क्रिकेट के लिए बहुत ही अहम खिलाड़ी हैं। हार्दिक दो ओवर करें या ना करें, भले ही टीम में चार तेज गेंदबाज हों लेकिन वह एक अलग संतुलन लेकर आते हैं। क्योंकि कोई इंटरनेशनल में कोई इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं है। हार्दिक अकेले नहीं हैं। देखिए, जब व्हाइट क्रिकेट में ज्यादा मैच होते हैं तो इंजरी भी होती है। ऋषभ पंत भी कप्तान रहे हैं, केएल राहुल भी कप्तान रहे हैं। अगर ज्यादा मैच हो रहे और चोटें लगेंगी तो बदलाव होंगे। आप इस तरह की चीजें देखेंगे। गौरतलब है कि अगरकर ने सोमवार को गंभीर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सूर्यकुमार को इसलिए कप्तान बनाया गया क्यंकि वह योग्य उम्मीदवार थे। वह पिछले एक साल से ज्यादा समय से ड्रेसिंग रूम में हैं और उसके बारे में ड्रेसिंग रूप से फीडबैक मिला है।

पीसीबी ने चौंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत को पाकिस्तान आने के लिए मनाने का काम आईसीसी पर छोड़ा

अगले साल की शुरुआत में होने वाली चौंपियन्स ट्रॉफी के लिए बीसीसीआई को अपनी टीम पाकिस्तान भेजने के लिए मनाने का काम पीसीबी ने आईसीसी पर छोड़ दिया है। पीसीबी के एक सूत्र के अनुसार कोलंबो में हाल ही में हुई आईसीसी की बैठक में चौंपियंस ट्रॉफी के बजट को मंजूरी दी गई थी।

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल की शुरुआत में होने वाली चौंपियन्स ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अपनी टीम पाकिस्तान भेजने के लिए मनाने का काम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर छोड़ दिया है। पीसीबी के एक सूत्र के अनुसार कोलंबो में हाल ही में हुई आईसीसी की बैठक में चौंपियंस ट्रॉफी के बजट को मंजूरी दी गई थी लेकिन कार्यक्रम और प्रारूप पर चर्चा नहीं हुई। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, ''पीसीबी ने अब वह कर दिया है जो चौंपियंस ट्रॉफी के मेजबान के रूप में उससे अपेक्षित था। उसने प्रतियोगिता का मसौदा कार्यक्रम और प्रारूप सौंप दिया है तथा प्रतियोगिता के लिए बजट भी

सौंप दिया है।'' उन्होंने कहा, ''अब यह आईसीसी पर निर्भर है कि वे चौंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को कितनी जल्दी प्रसारित, चर्चा और अंतिम रूप देते हैं। पीसीबी ने मसौदा कार्यक्रम में भारत के सभी मैचों की मेजबानी लाहौर में करने का सुझाव दिया है जिसमें सेमीफाइनल (अगर भारत क्वालीफाई करता है) और फाइनल भी शामिल है।'' एक अन्य सूत्र ने कहा कि पीसीबी ने चौंपियंस ट्रॉफी के मेजबान के रूप में आईसीसी के साथ अपनी रुचि के दस्तावेज में सभी विवरण पहले ही सौंप दिए हैं। उन्होंने कहा, ''पीसीबी ने अपनी ओर से आईसीसी को कर से जुड़े नियमों, स्थल चयन और इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान में भारतीय टीम की मेजबानी के लिए अपनी सरकार से मंजूरी के बारे में लिखित रूप से जानकारी दी है।'' सूत्र ने खुलासा किया कि पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने आईसीसी बैठकों के इतर बीसीसीआई सचिव जय शाह या किसी अन्य बीसीसीआई अधिकारी के साथ कोई औपचारिक बैठक नहीं की लेकिन बैठकों के दौरान नकवी और शाह के बीच बातचीत सौहार्दपूर्ण रही। पीसीबी ने अब टूर्नामेंट के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने और घोषित करने तथा बीसीसीआई से यह पुष्टि प्राप्त करने का काम आईसीसी पर छोड़ दिया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा करेगी या नहीं। आईसीसी ने अपने टूर्नामेंट बजट में सप्लीमेंटरी (पूरक) खर्चे को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए रखा है जिसमें भारतीय टीम के पाकिस्तान के बाहर अपने मैच खेलने की संभावना भी शामिल है। बीसीसीआई ने हमेशा से कहा है कि पाकिस्तान में क्रिकेट खेलना पूरी तरह से सरकार का फैसला है और यहां तक घ्कि पीसीबी की मेजबानी में हुए 2023 एकदिवसीय एशिया कप में भारत ने 'हाइब्रिड मॉडल' के आधार पर अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। मसौदा कार्यक्रम के अनुसार संभावित सेमीफाइनल और फाइनल सहित भारत के सभी मैच लाहौर में निर्धारित किए गए हैं। भारत बनाम पाकिस्तान मैच एक मार्च को निर्धारित किया गया है। इस बीच अफगानिस्तान ने टूर्नामेंट में खेलने का आश्वासन दे दिया है। आईसीसी की वार्षिक बोर्ड बैठक में भाग लेने कोलंबो गए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मीरवाइज अशरफ और सीईओ नसीब खान ने नकवी से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया। पीसीबी ने कहा, ''उन्होंने अध्यक्ष से कहा कि अफगानिस्तान अपनी टीम पाकिस्तान भेजने के लिए उत्सुक है क्योंकि वे पहली बार चौंपियंस ट्रॉफी में भाग ले रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई के टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजने का फैसला करने पर कुछ देशों के भारत की राह पर चलने की अटकलों के बीच उन्होंने यह आश्वासन दिया।

2027 वनडे वर्ल्ड कप में नहीं खेलेंगे रोहित और कोहली! जानें आशीष नेहरा ने ऐसा क्यों कहा?

आशीष नेहरा के हवाले से लिखा कि कोहली और रोहित का खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि, फिजिकल और मेंटल दोनों का स्वस्थ होना अहम है। ऐसी चीजें इस बात पर निर्भर करती हैं कि आपके अंदर कितना जुनून और प्रेरणा है। रोहित और कोहली में इसकी कोई कमी नहीं है। उनके अंदर जुनून है उसी कराण वह यहां तक पहुंचे हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीतकर भारत के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा टी20 फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। वहीं अब विराट और रोहित श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के साथ वापसी करेंगे। इसके साथ ही सवाल उठने लगा है कि क्या ये दोनों खिलाड़ी 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं? आशीष नेहरा ने इस बारे में अपनी बात रखी। स्पोर्ट्स तक के आशीष नेहरा के हवाले से लिखा कि कोहली और रोहित का खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि, फिजिकल और मेंटल दोनों का स्वस्थ होना अहम है। ऐसी चीजें इस बात पर निर्भर करती हैं कि आपके अंदर कितना जुनून और प्रेरणा है। रोहित और कोहली में इसकी कोई कमी नहीं है। उनके अंदर जुनून है उसी कराण वह यहां तक पहुंचे हैं। नेहरा ने आगे कहा कि, यहां से शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुंदर्शन रन बनाएंगे और पुश करेंगे। इसी कारण विराट कोहली और रोहित शर्मा को अपना बढ़ाते रहना होगा और दोनों ने पहले भी ऐसा किया है। नेहरा ने आगे बताया कि 2027 अभी दूर है लेकिन अगर कोहली और रोहित खेलते हैं को ये बहुत उत्साहित करने वाला होगा। उन्होंने कहा कि, 2027 अभी बहुत दूर है। हालांकि, अगर आप मुझसे पूछेंगे तो मैं हमेशा 18 का रहना चाहता हूं। मैं रिटायर नहीं होना चाहता। अगर आप गंभीर को मौका दें और उनसे कहेंगे कि आपका शरीर भी फिट है को वह कहेंगे कि सुदर्शन को छोड़ें, मैं तैयार हूं। चार साल में काफी समय है लेकिन ये शानदार है। अगर ऐसा होता है तो इससे अच्छा और कुछ नहीं हो सकता। रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर फैंस भी कापी उत्साहित हैं। पहले ऐसी खबरें आईं थीं कि दोनों खिलाड़ी टेस्ट पर ध्यान देने के लिए कुछ समय के लिए वनडे नहीं खेलेंगे। हालांकि, दोनों ने खुद को श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध बताया था।

अजीम प्रेमजी ने बुलंदियों के शिखर पर पहुंचाई पिता की विरासत, आज मना रहे 79वां जन्मदिन

आज यानी की 24 जुलाई को देश के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में शुमार अजीम प्रेमजी अपना 79वां जन्मदिन मना रहे हैं। अजीम प्रेमजी को दौलत और बिजनेस स्किल से ज्यादा उनकी फिलैन्थ्रॉपी के लिए जाना जाता है। वह विप्रो के मालिक हैं और उनकी नेटवर्थ 8.6 अरब डॉलर के आसपास है। विप्रो सूचना प्रौद्योगिकी वह कंपनी है, जो भारत में आईटी सर्विसेज की चौथी सबसे बड़ी आउटसोर्सर है। आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर अजीम प्रेमजी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

मुंबई में 24 जुलाई 1945 को अजीम प्रेमजी का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम हाशिम प्रेमजी था, जोकि एक जाने–माने बिजनेसमैन थे। शुरूआती शिक्षा के बाद वह साल 1966 में अमेरिका के स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे। लेकिन पिता के निधन के बाद उनको 21 साल की उम्र में भारत वापस लौटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने न सिर्फ अपने पिता की विरासत को संभालने का काम किया बल्कि उन्होंने उस बिजनेस को बुलंदियों पर पहुंचा दिया।

बुलंदियों पर पहुंची विप्रो कंपनी

अजीम प्रेमजी की कंपनी शुरूआत में वेजिटेबिल ऑयल और साबुन के कारोबार में थी। वहीं साल 1970 में उन्होंने अमेरिकन कंपनी सेंटिनल कंप्यूटर कॉर्पोरेशन के साथ हाथ मिलाया। जिसके बाद विप्रो ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके बाद कंपनी ने लाइटिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग फर्म, कंज्यूमर केयर और हेल्थकेयर में भी अपना कारोबार बढ़ाया। कारोबार को बुलंदियों पर पहुंचाने के बाद और 30 साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद अजीम प्रेमजी ने अपनी पढ़ाई पूरी की, जोकि पिता के निधन और बिजनेस को संभालने के कारण छूट गई थी।

पाकिस्तान से मिला था निमंत्रण

आपको बता दें कि पाकिस्तान के फाउंडर मोहम्मद अली जिन्ना अजीम प्रेमजी के पिता मोहम्मद हाशिम प्रेमजी को पाकिस्तान आने का निमंत्रण दिया था। लेकिन उनके पिता ने जिन्ना के इस निमंत्रण को ठुकरा दिया और वह पूरी जिंदगी भारत में रहे।

चौरिटी है पसंद

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन में अजीम प्रेमजी अपनी 8.6 फीसदी हिस्सेदारी को ट्रांसफर किया था। जिसकी हिस्सेदारी वैल्यू 8,646 करोड़ रुपए थी। यह भारत में किसी व्यक्ति द्वारा चौरिटी में अब तक दिया गया सबसे बड़ा अमाउंट था। ज्प्डम मैगजीन ने दो बार साल 2004 और 2011 में अजीम प्रेमजी को निया के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की लिस्ट में शामिल किया गया था। अजीम प्रेमजी को भारतीय आईटी इंडस्ट्री का सम्राट कहा जाता है।

अवॉर्ड

अजीम प्रेमजी को साल 2011 में भारत के दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। अजीम प्रेमजी, जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा को अपनी प्रेरणा मानते हैं।

हरमनप्रीत और शेफाली वर्मा ने लगाई लंबी छलांग, स्मृति मंधाना को भी हुआ फायदा

आईसीसी ने विमेंस टी20 रैंकिंग जारी कर दी है। इस रैंकिंग में भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और शेफाली वर्मा को फायदा हुआ है। दरअसल, हरमनप्रीत ने एक तो शेफाली ने 4 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। जबकि स्मृति मंधाना चौथे नंबर पर काबिज है। वहीं श्रीलंका की स्पिनर इनोशी प्रियदर्शनी भी रैंकिंग में ऊपर चढ़ी हैं। श्रीलंका में चल रहे महिला एशिया कप में अपने प्रदर्शन के दम पर कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं। पाकिस्तान के खिलाफ 5 रन नाबाद और संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ 66 रन की पारियों ने हरमनप्रीत को एक स्थान हासिल करने में मदद की है। वहीं शेफाली के 40 और 37 रन बनाने से उन्हें चार स्थान का फायदा हुआ है। ऑफ स्पिनर प्रयदर्शनी बांग्लादेश के खिलाफ दो विकेट और मलेशिया के खिलाफ एक विकेट लेने के बाद तीन स्थान ऊपर चढ़कर करियर की सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों में भारत की विकेटकीपर रिचा घोष चार स्थान ऊपर 24वें स्थान पर, बांग्लादेश की मुर्शिदा खातून 6 स्थान ऊपर 47वें स्थान पर, श्रीलंका की विशमी गुणारत्ने सात स्थान ऊपर 51वें स्थान पर और थाईलैंड की नट्टया बूचथम 10 स्थान ऊपर पहुंचकर 76 वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

सम्पादकीय.....

प्रतिबंध मुक्त संघ

केंद्र की राजग सरकार ने एक आदेश के जरिये सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक को हटा लिया है। जिसको लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। वहीं संघ ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि तत्कालीन सरकार ने निराधार ही शासकीय कर्मियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर रोक लगायी थी। यह भी कि वर्तमान सरकार का निर्णय लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुष्ट करने वाला है। वहीं राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आने के बाद संघ व सरकार के बीच मनमुटाव की जो खबरें आ रही थीं, हालिया फैसले को सरकार की संघ से उसी तल्खी को दूर करने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। जिससे जनमानस में यह संदेश दिया जा सके कि भाजपा व संघ में किसी प्रकार का मनभेद व मतभेद नहीं है। वहीं संघ दावा करता है कि इस कदम से देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होगी। दरअसल, हाल के दिनों में संघ की तरफ से जो बयान सामने आ रहे थे, उससे लग रहा था कि भाजपा व संघ के रिश्ते खराब दौर से गुजर रहे हैं। संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने तो कहा था कि भगवान राम ने एक अहंकारी पार्टी को रोका है, जो रामभक्त होने का दावा करती है। यहां तक कि संघ के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में लिखा गया था कि भाजपा कार्यकर्ताओं के अति उत्साह के चलते पार्टी के जनाधार में गिरावट आई है। साथ ही संघ प्रमुख ने बिना नाम लिये पार्टी नेतृत्व के सुपरमैन व भगवान समझने की महत्वाकांक्षा का जिक्र किया था। इन बयानों को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि संघ का भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मोहभंग हो गया है। ऐसे में जब राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अगले साल शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है, भाजपा का यह कदम दोनों के बीच रिश्ते सामान्य करने की दिशा में उठाया गया कदम कहा जा रहा है। बहरहाल, केंद्र के इस फैसले के बाद कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल सरकार को निशाने पर ले रहे हैं। कांग्रेस ने सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं। पार्टी ने 58 साल पहले वर्ष 1966 में आरएसएस पर लगाये गए प्रतिबंध को हटाने के औचित्य पर सवाल उठाए हैं। कहा जा रहा है कि जनसंघ, वाजपेयी सरकार और मोदी सरकार की पिछली एक दशक की सरकार के दौरान भी यह प्रतिबंध नहीं हटाया गया था। दरअसल, 7 नवंबर 1966 को संसद के सामने गोहत्या के खिलाफ एक बड़ा प्रदर्शन हुआ था। आरएसएस व जनसंघ के प्रयासों से लाखों लोग जुटे थे और पुलिस के साथ टकराव में कई लोगों की जान गई थी। जिसके बाद इंदिरा गांधी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के संघ में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया था। वहीं संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख का कहना है कि संघ पिछले 99 साल से राष्ट्र के सतत निर्माण व समाज सेवा में संलग्न रहा है। अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते तत्कालीन सरकार ने शासकीय कर्मचारियों को संघ जैसे रचनात्मक संगठन की गतिविधियों में भाग लेने हेतु निराधार प्रतिबंधित किया था। हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश समेत कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था लेकिन केंद्र सरकार के स्तर पर यह प्रतिबंध वैधा बना हुआ था। इसी मामले को लेकर इंदौर की एक अदालत में वाद चल रहा था, जिसमें अदालत ने इस बाबत केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। फिर केंद्र ने एक आदेश जारी कर प्रतिबंध को खत्म करने की घोषणा की है। वहीं दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि प्रतिबंध हटाने का केंद्र का फैसला राष्ट्रहित से परे राजनीति से प्रेरित संघ के तुष्टीकरण का फैसला है। वहीं अन्य राजनीतिक दलों का भी मानना है कि सरकारी कर्मचारियों का संविधान और कानून के दायरे में रहकर निष्पक्षता के साथ जनहित और जनकल्याण के लिए काम करना जरूरी होता है। कहा जा रहा है कि सरकार का फैसला धर्मनिरपेक्षता की दृष्टि से उचित नहीं है क्योंकि इससे कर्मचारियों की तटस्थता प्रभावित होती है।

कांवड़ यात्रा: नेमप्लेट पर अंतरिम रोक

एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि होटल चलाने वाले यह बता सकते हैं कि वे किस तरह का खाना परोस रहे हैं लेकिन उन्हें अपना व कर्मचारियों के नाम लिखने के लिये मजबूर नहीं किया जा सकता।

कांवड़ यात्रा के मार्ग में आने वाली दुकानों, ठेलों आदि पर मालिक एवं कर्मचारियों के नाम लिखे जाने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। सोमवार को जहां एक ओर सावन मास के पहले सोमवार के साथ ही देश भर में कांवड़ यात्राएं प्रारम्भ हो गयी हैं, वहीं शीर्ष न्यायालय ने इस आदेश के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है। इस आदेश से उप्र के साथ ही यात्रा मार्ग पर दुकानदारों की पहचान बताने सम्बन्धी कई राज्य सरकारों के आदेश पर भी रोक लग गयी है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि होटल चलाने वाले यह बता सकते हैं कि वे किस तरह का खाना परोस रहे हैं लेकिन उन्हें अपना व कर्मचारियों के नाम लिखने के लिये मजबूर नहीं किया जा सकता। अदालत का यह भी मानना था कि ऐसा आदेश जारी कर उप्र पुलिस ने अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है। उत्तर प्रदेश के अलावा मध्यप्रदेश एवं उत्तराखंड की सरकारों ने भी इसी आशय का आदेश जारी किया हुआ है जिन पर भी रोक लग गयी है। इस आदेश को लेकर देश भर में रोष था और माना जा रहा था कि पहले मुजफ्फरपुर पुलिस तथा बाद में पूरे राज्य में दूकानदार का नाम लिखने का जो आदेश दिया गया है, उसका उद्देश्य सामाजिक ध्रुवीकरण है। हाल के हुए लोकसभा चुनाव में उप्र में भाजपा को बड़ी पराजय मिली थी। उसकी सदस्य संख्या वहां काफी घट गयी है। वैसे तो विधानसभा चुनाव अभी तकरीबन ढाई साल दूर हैं लेकिन यहां 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। उसमें बढ़त लेने तथा हिन्दू वोटों को पाने के लिये मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने यह आदेश जारी कराया है। इसके खिलाफ शनिवार को एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नामक एक स्वयंसेवी संस्था ने याचिका दायर की थी। लेखक व बुद्धिजीवी अपूर्वानंद और आकार पटेल के साथ तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की अलग–अलग याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए तीनों राज्यों (उप्र, मप्र व उत्तराखंड) की सरकारों को शुक्रवार तक का समय अपने जवाब दाखिल करने के लिये दिया गया। जस्टिस एसवी भट्ट तथा ऋषिकेश राय ने कहा तब तक किसी को नेमप्लेट लगाने की जरूरत नहीं है और न ही ऐसा करने के लिये किसी को बाध्य किया जाये। उनका यह भी मानना है कि खाद्य विभाग यह तो सुनिश्चित कर सकता है कि कांवड़ियों को ताजा व शुद्ध खाना मिले लेकिन पुलिस को उसके काम में दखलंदाजी करने का अधिकार नहीं है। देखा जाये तो इससे भारतीय जनता पार्टी की उप्र, उत्तराखंड तथा मध्यप्रदेश की सरकारों के उन मंसूबों पर पानी फिर गया है जो हिंदुओं के बीच अपनी जगह बनाये रखने के लिये कांवड़ यात्रा का इस्तेमाल करना चाहती थीं। गौरतलब है कि भाजपा सरकार के आदेश के जारी होते ही अनेक राजनैतिक दलों ने इसका विरोध किया था। केवल विपक्षी दल नहीं वरन भाजपा की सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी, जनता दल यूनाइटेड के केसी त्यागी आदि ने भी इस आदेश का विरोध किया है। इस आदेश को लेकर लोग समझ गये थे कि इसके कारण जहां एक ओर सामाजिक विभाजन होगा वहीं दूसरी ओर अगड़ी–पिछड़ी जातियों के बीच भी विभाजन हो सकता है। इस आदेश को जिस तरीके से लागू किया गया वह भी संदेह के घेरे में है। जब न्यायाधीशों ने जानना चाहा कि यह आदेश है या केवल प्रेस बयान, तब याचिकाकर्ताओं के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह छद्म आदेश है। इसे स्वैच्छिक तो बताया गया लेकिन इसका पालन एक तरह से अनिवार्य कर दिया गया है। दुकानदारों पर इसके लिये दबाव डाला जा रहा है। सिंघवी का तर्क था कि बहुत से शाकाहारी रेस्टारेंट हिन्दुओं की ओर से चलाये जा रहे हैं पर उनके कर्मचारी मुस्लिम या दलित हो सकते हैं। क्या कोई कह सकता है कि वह ऐसा खाना नहीं खायेगा जो मुस्लिमों या दलितों के द्वारा छुआ हुआ हो? स्वयं जस्टिस भट्ट ने बताया कि वे केरल के एक ऐसे स्थान पर रहे थे जहां केवल दो ही शाकाहारी रेस्टोरेंट थे। वे मुस्लिम के रेस्टोरेंट में जाते थे क्योंकि वहां सफाई बेहतर थी। याचिकाकर्ताओं की इस दलील में दम है कि इस आदेश से संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 17 एवं 19 (1) (ग) का उल्लंघन होता है क्योंकि इससे धर्म, जाति व नस्ल के आधार पर भेदभाव व छुआछूत को बढ़ावा मिलता है। वैसे यह आदेश कुछ वर्गों के लिये रोजगार का संकट भी बनकर आ सकता है। संप्रदाय या जाति के उजागर होने पर उनकी वस्तुओं, खासकर खाद्य सामग्रियों की बिक्री पर विपरीत असर हो सकता है। इसके अलावा देश के कई हिस्सों में, विशेषकर इन तीन राज्यों में जिस प्रकार से संप्रदाय व जाति आधारित विभाजन हुआ है, मुस्लिम व निचली जातियों के दुकानदारों को कांवड़ियों के रोष का शिकार भी होना पड़ सकता है जो अक्सर इस तरह का व्यवहार करते देखे जाते हैं। कई बार कांवड़ियों व स्थानीय लोगों के बीच विवाद ही नहीं बल्कि मारपीट होती देखी जाती है। कभी किसी वाहन के साथ वे तोड़फोड़ भी करते हैं या यातायात को बाधित कर देते हैं। चूंकि सरकार व पुलिस का उन्हें प्रश्रय होता है, वे किसी भी स्तर तक जाकर विवाद करने पर उतारू हो जाते हैं। लोकतंत्र व सामाजिक सद्भाव में भरोसा करने वाले सभी लोगों को आशा है कि शुक्रवार को जब सुप्रीम कोर्ट इस बाबत अंतिम फैसला लेगा तो वह ऐसे विभाजनकारी आदेश पर स्थायी रोक लगायेगा।

एक ही सुर के गायक- हिंदू–मुस्लिम!

राजेंद्र शर्मा

कहावत है, पूत के पांव पालने में ही दीख जाते हैं। मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले करीब पचास दिनों में ही, अपने पांव बखूबी दिखा दिए हैं। और ये पांव बताते हैं कि हरेक संकट से उबरने का उसे एक ही रास्ता दिखाई देता हैकृसांप्रदायिक ताप बढ़ाया जाए। हैरानी की बात नहीं है कि इसका सबसे खुलेआम प्रदर्शन उस उत्तर प्रदेश से ही शुरू हुआ है, जहां आम चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों को, कम से कम उनके हिसाब से अप्रत्याशित रूप से भारी हार का सामना करना पड़ा है। न सिर्फ भाजपा राज्य की कुल अस्सी सीटों में से 33 पर आ गयी और 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले 29 सीटें नीचे चली गयी, बल्कि राम मंदिर निर्माण पर केंद्रित अपनी तमाम प्रचार आंधी के बावजूद, उसने अयोध्या–फैजाबाद की अपनी सीट भी गंवा दी और वह भी सामान्य सीट से समाजवादी पार्टी द्वारा मैदान में उतारे गए, एक दलित उम्मीदवार के हाथों। इतना ही नहीं, इस राज्य में बनारस की सीट से तीसरी बार प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर चुनाव मैदान में उतरे, खुद नरेंद्र मोदी की जीत का अंतर घटकर डेढ़ लाख के करीब रह गया, जो किसी प्रधानमंत्री की जीत का सबसे कम अंतर है। यही नहीं, कुल मिलाकर राज्य में भाजपा का मत फीसद भी, 2019 के चुनाव की तुलना में 8 फीसद से ज्यादा गिर गया और 41.5 फीसद के करीब पर आ गया।स्वाभाविक रूप से उत्तर प्रदेश में सत्ताधारी भाजपा न सिर्फ इस हार से हिली हुई है बल्कि इसकी व्याख्या करने के मुश्किल सवाल से भी जूझ रही है कि चुनाव में उसकी ऐसी दुर्गत हुई तो कैसे? हैरानी की बात नहीं है कि इस मुश्किल सवाल के जवाब की तलाश ने राज्य में भाजपा के नेतृत्व की आपसी खींच–तान को एक नयी ऊंचाई पर पहुंचा दिया। पिछले ही दिनों जब राज्य में संघ–भाजपा द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, इसकी अटकलों ने बहुत तेजी पकड़ ली कि आम चुनाव के दयनीय प्रदर्शन के बाद, आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ सकता है। हालांकि, भाजपा के उत्तर प्रदेश राज्य अध्यक्ष, भूपेंद्र सिंह चौधरी ने श्आशा के अनुरूप नतीजे नहीं आनेश की नैतिक जिम्मेदारी अपने ऊपर लेने की घोषणा की और वास्तव में चुनाव नतीजों के बाद ही वह अपने पद से इस्तीफे की पेशकश भी कर चुके थे, लेकिन किसी से यह छुपा नहीं रहा है कि उक्त समीक्षा बैठक में, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ और उप–मुख्यमंत्री, केशव प्रसाद मौर्य के बीच, जम कर खींच–तान ही नहीं हुई, घात–प्रतिघात भी हुए। खबरों के अनुसार जहां आदित्यनाथ ने आम चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के लिए, अपने लोगों के अति–आत्मविश्वास और उसके चलते प्रयासों की कोताही को जिम्मेदार ठहराया, वहीं केशव प्रसाद मौर्य ने इसे पार्टी और संगठन की आलोचना ठहराते हुए इस पर आपत्ति जतायी और जोर देकर कहा कि पार्टी और संगठन ही सबसे ऊपर हैं, सरकार से भी ऊपर। जाहिर है कि उनका निशाना आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के प्रदर्शन पर था, जिसको लेकर संघ–भाजपा के नेताओं–कार्यकर्ताओं की भी शिकायतें कोई थोड़ी नहीं हैं। ऐसा समझा जाता है कि संघ–भाजपा के कार्यकर्ताओं की यह आम शिकायत है कि आदित्यनाथ सरकार, कुछ चुने हुए नौकरशाहों द्वारा ही चलाई जा रही है, जबकि सत्ताधारी पार्टी के आम कार्यकर्ताओं की ही नहीं, खुद मंत्रियों तक की कोई सुनवाई नहीं होती है। इस माने में आदित्यनाथ, सचमुच मोदी मॉडल का ही अनुसरण कर रहे हैं, जहां वास्तव में सरकार अति–केंद्रीयकृत तरीके से, नौकरशाहों के एक छोटे से ग्रुप द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय से चलाई जा रही है। बहरहाल, आदित्यनाथ मॉडल की अपनी ही एक विशेषता और है। राज्य के जो दोनों उप–मुख्यमंत्री अपने असंतोष का इजहार करते हुए, चुनाव नतीजे आने के बाद से मुख्यमंत्री की बुलाई बैठकों का एक प्रकार से बहिष्कार कर रहे बताए जाते थे, उनमें से एक ब्रजेश्वर पाठक की अतिरिक्त शिकायत खबरों के मुताबिक यह थी कि आदित्यनाथ के राज में शासन–प्रशासन में जाति विशेष का दबदबा चल रहा था। बहरहाल, आदित्यनाथ के एड़ियां गड़ा देने के बाद, जब खराब चुनावी प्रदर्शन के लिए उन पर हमलों से हांडी चौराहे पर फूटने का खतरा दिखाई दिया और मुख्य विपक्षी पार्टी, सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने, चुटकी लेने के लिए सौ लाओ, सरकार बनाओ का मानसून ऑफर दे दिया, दिल्ली में बैठे भाजपा नेतृत्व को जल्दबाजी में युद्घविराम की घोषणा कराने का फैसला लेना पड़ा। अब गुजरे हुए आम चुनाव को छोड़कर, आने वाले दस विधानसभाई सीटों के उपचुनाव की ओर ध्यान मोड़ने का पैंतरा आजमाया गया। इन उपचुनावों के एक तरह से जीवन–मरण का प्रश्न बनाए जाने का ऐलान करते हुए, एक सीट पर तीन मंत्रियों के हिसाब से, तीस मंत्रियों को इन सीटों के चुनाव की जिम्मेदारी सोंप दी गई। यह दूसरी बात है कि यह सब भी आदित्यनाथ की कुर्सी पर संकट फिलहाल टलने का ही इशारा है, संकट पूरी तरह से दूर हो जाने का नहीं। जैसे सत्ताधारी पार्टी में अंदरूनी दरारों के जस के तस बने रहने के एक महत्वपूर्ण संकेत में, इन महत्वपूर्ण उपचुनावों की जिम्मेदारी संभालने वाले तीस मंत्रियों में, दोनों उप–मुख्यमंत्रियों को जगह ही नहीं मिल सकी है। बहरहाल, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपनी घेरेबंदी की काट के लिए, सांप्रदायिक ताप बढ़ाने के उसी दांव का इस्तेमाल किया है, जिसके लिए उन्हें जाना जाता है। सत्ताधारी पार्टी में इस सारी उठा–पटक के बीच ही, मुजफ्फर नगर पुलिस ने एक साफ तौर पर सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी आदेश जारी कर दिया कि जिले के करीब सवा दो सौ किलोमीटर के कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली सभी खाने–पीने की चीजों की दूकानों, ठेलों, टपरियों, ढाबों, रेस्टोरेंटों को साइन बोर्ड पर मालिकों के नाम लिखने होंगे। इस आदेश पर अमल के क्रम में यह स्पष्ट हो गया कि मकसद, दूकानदारों की धार्मिक पहचान उजागर करना था और इसमें यह भी जोड़ दिया गया कि मालिकों के साथ ही कर्मचारियों के नाम भी उजागर किए जाएं। कहने की जरूरत नहीं है कि इस आदेश एक ही मकसद था कि मुसलमानों की दूकानों की अलग से पहचान कराई जाए, जिससे कांवड़ियों को उनसे खाने–पीने की चीजें खरीदने से हतोत्साहित किया जा सके। स्वाभाविक रूप से इस आदेश की तुलना, हिटलर की जर्मनी में यहूदियों की पहचान कराने के लिए, उनकी दूकानों पर उनके यहूदी होने के नोटिस और निशानी के तौर पर पीले सितारे टंगवाए जाने के आदेशों से की जा रही थी। मुजफ्फरनगर पुलिस के इस आदेश पर जब चारों ओर से शोर मचा, खुद भाजपा सरकार के पूर्व–मंत्री, मुख्तार अब्बास नकवी से लेकर, बिहार की लोकजनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान तथा राष्ट्रीय लोकदल के नेता जयंत चौधरी तक ने इस विभाजनकारी कदम को अनुचित और नुकसानदेह ठहराया। लेकिन, सत्ताधारी भाजपा पर इसकी उलटी ही प्रतिक्रिया हुई। केंद्र में बैठी मोदी सरकार और भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने जहां हर बार की तरह, इस मुद्दे पर भी चुप्पी साध ली, वहीं इस चुप्पी में अनुमोदन का इशारा पढ़कर, आदित्यनाथ की सरकार और आगे बढ़ गई। कहां तो मुजफ्फरनगर पुलिस चौतरफा आलोचनाओं के दबाव में, यह सफाई देने पर मजबूर हुई थी कि उसका आदेश स्वैच्छिक रूप से पालन के लिए है, अनिवार्य नहीं है, आदि, वहीं आदित्यनाथ सरकार ने इस आदेश को मुजफ्फरनगर से आगे बढ़ाकर, पूरे राज्य पर ही लागू कराने की घोषणा कर दी। और सांप्रदायिक पैंतरों में उप्र सरकार से जैसे होड़ लेते हुए, उत्तराखंड की भाजपायी सरकार ने भी ऐसी ही घोषणा कर दी। उधर मध्य प्रदेश आदि अन्य भाजपा–शासित राज्यों से भी इसी प्रकार के कायदे लागू कराने की आवाजें जोर पकड़ने लगीं, जिससे मुसलमानों की दूकानों आदि की अलग से पहचान हो सके। बहरहाल, अब सुप्रीम कोर्ट ने इन सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी आदेशों पर रोक लगा दी है और कहा है कि खाने के प्रकार, जैसे शाकाहारी–मांसाहारी आदि की पहचान कराना काफी है। सर्वोच्च न्यायालय के इस दो–टूक हस्तक्षेप के बाद, इस सिलसिले पर रोक लग जाने की उम्मीद की जानी चाहिए। कम से कम इतने खुले आम सांप्रदायिक विभाजन के खेल पर तो अंकुश लगना ही चाहिए।

सरकार के सामने परस्पर विरोधी हितों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती

के रवींद्रन

23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला साल का बजट पेश करेंगी। खुद को एक निर्णायक मोड़ पर पाते हुए, उन्हें एक ऐसा बजट तैयार करने का काम सौंपा गया है जो गठबंधन सहयोगियों को खुश करे, जनता के असंतोष को दूर करे और आर्थिक विकास को बनाये रखे। उनकी भूमिका अभूतपूर्व जटिलता को ग्रहण करती है और उन्हें राजनीतिक सुविधा और वित्तीय समझदारी के बीच सर्कस की रस्सी पर चलने जैसा काम करना है।महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों के साथ, बदलते राजनीतिक परिदृश्य, जो खुद को भाजपा के लिए भारी चुनावी झटकों के रूप में प्रकट करता है, निश्चित रूप से बजट निर्माण में अपनी झलक पायेगा। चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार जैसे विभिन्न गठबंधन सहयोगियों के साथ गठबंधन करने की अनेक महत्वपूर्ण शर्तें होती है, जैसे प्रभावशाली केन्द्रीय कैबिनेट पदों पर छोड़े गये दावों की भरपाई के लिए पर्याप्त बजटीय आवंटन। गठबंधन की राजनीति की पेचीदगियां केवल अंकगणित के बारे में नहीं हैं। श्री नायडू और श्री कुमार, दोनों प्रभावशाली क्षेत्रीय नेता, अपने–अपने क्षेत्रों में काफी प्रभाव रखते हैं और सरकार के भविष्य पर लगभग नियंत्रण रखते हैं। भारी आवंटन की उनकी मांग न केवल राजनीतिक लाभ की इच्छा को, बल्कि प्रतिस्पर्धी चुनावी परिदृश्यों के बीच निरंतर समर्थन सुनिश्चित करने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्रों को खुश करने की व्यावहारिक आवश्यकता को भी दर्शाती है। फिर भी, इन राजनीतिक चालों के बीच, निर्मला सीतारमण को आर्थिक मोर्चे पर समान रूप से कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। विकास को बढ़ावा देते हुए राजकोषीय अनुशासन बनाये रखने की अनिवार्यता एक पहेली प्रस्तुत करती है, जिस पर ध्यान देने के लिए विभिन्न प्रकार की आवाजें उठ रही हैं। सामाजिक कल्याण योजनाएं, जिनका लंबे समय से विपक्षी दलों द्वारा समर्थन किया जाता रहा है, अब भाजपा के अपने खेमे में भी गूंज रही हैं, क्योंकि आर्थिक लाभ के समान वितरण की मांगें तेज होती जा रही हैं। इसलिए, बजट एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरता है जिसमें लोकलुभावन मांगों को पूरा करने और आर्थिक बुनियादी ढांचे को बनाये रखने के बीच संतुलन बनाने का कार्य करना होगा। भाजपा की चुनावी असफलताओं में प्रकट होने वाले लोकप्रिय असंतोष के साथ, लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से सामाजिक–आर्थिक असमानताओं को दूर करने का दबाव बढ़ गया है। इसमें न केवल मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ाना, बल्कि समावेशी विकास के लिए नये रास्ते भी तलाशना शामिल है, खासकर ग्रामीण और हाशिये पर पड़े शहरी क्षेत्रों में। सीतारमण की दुविधा के केंद्र में व्यापक आर्थिक स्थिरता से समझौता किये बिना इन प्रतिस्पर्धी मांगों को समेटने की आवश्यकता है। भारत का विकास पथ, मजबूत होने के बावजूद, घरेलू और वैश्विक दोनों तरह की चुनौतियों से घिरा हुआ है, जिसके लिए राजकोषीय संसाधनों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन आवश्यक है। इसलिए, वित्त मंत्री का कार्य केवल संख्या–गणना से बहुत आगे तक फैला हुआ है जिसके लिए सामाजिक–राजनीतिक गतिशीलता की सूक्ष्म समझ और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक लीवर को कुशलता से संभालने की आवश्यकता है। इसके अलावा, बजट को न केवल समाज के मुखर वर्गों को बल्कि उस बहुसंख्यक वर्ग को भी ध्यान में रखना होगा, जिसकी बेहतर आजीविका की आकांक्षाएं अक्सर सत्ता के गलियारों में अनकही रह जाती हैं। इस संबंध में, समावेशी विकास न केवल एक आर्थिक अनिवार्यता, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी बन जाता है। यह बयानबाजी और वास्तविकता के बीच की खाई को पाटने का एक अवसर है, यह सुनिश्चित करते हुए कि भारत की प्रगति का लाभ इसके विशाल और विविध आबादी के बीच समान रूप से साझा किया जाये। इन चुनौतियों के बीच सीतारमण का वित्त मंत्रालय का नेतृत्व न केवल तात्कालिक आर्थिक भाग्य के लिए बल्कि दीर्घकालिक प्रक्षेपवक्र के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्हें जो नाजुक संतुलन कार्य करना होगा, उसमें कठिन विकल्प चुनना शामिल है, जैसे आवंटन को प्राथमिकता देना, कर संरचनाओं में सुधार करना और निवेश को प्रोत्साहित करना। यह सब चुनावी कैलेंडर और गठबंधन राजनीति की अनिवार्यताओं पर नजर रखते हुए किया जाना है। यह कार्य लोकतंत्र में शासन की दोहरी अनिवार्यताओं को समाहित करता है। इसके तहत तात्कालिक राजनीतिक आवश्यकताओं को दीर्घकालिक आर्थिक विवेक के साथ संतुलित करना होगा।

अपने सभी पूर्ववर्तियों की तरह, उन्हें व्यापक सरकारी कार्यों को वित्तपोषित करने के लिए कर राजस्व पर बहुत अधिक निर्भर रहना पड़ेगा। हालांकि, कराधान का बोझ, विशेष रूप से वेतनभोगी मध्यम वर्ग पर, असंतोष का एक आवर्ती स्रोत रहा है। हाल के वर्षों में पेश किया गये बजटों में व्यक्तिगत करदाताओं पर कर का बोझ कम करने वाले प्रगतिशील सुधारों की उम्मीदें अक्सर धराशायी हो गई हैं। परिस्थितियां यथास्थिति बनाये रखने या सीमित राहत प्रदान करने वाले मामूली समायोजन शुरू करने की ओर झुकी है। अनुचित कर बोझ की धारणा ने प्रणाली में विश्वास को खत्म कर दिया है। यह भावना कर राजस्व के उपयोग में पारदर्शिता की कथित कमी और करदाताओं और नीति निर्माताओं के बीच अलगाव की भावना से और बढ़ जाती है। प्रत्येक बजटीय घोषणा से पहले, अधिक निष्पक्ष और अधिक न्यायसंगत कर व्यवस्था की वकालत करने वाली आवाजें तेज होती जाती हैं। कर स्लैब को कम करने, छूट सीमा बढ़ाने और बोझिल अनुपालन प्रक्रियाओं की फिर से समीक्षा करने की मांग व्यापार मंचों, मीडिया प्लेटफार्मों और नागरिक समाज संगठनों में गूंजती है। आज एक ऐसी कर प्रणाली की आवश्यकता है जो आम करदाता के हितों की रक्षा करते हुए उत्पादकता और उद्यमशीलता को पुरस्कृत करे। कर नीतियों का प्रभाव व्यक्तिगत वित्त से आगे बढ़कर व्यापक आर्थिक गतिशीलता को प्रभावित करता है।

आईएमडीबी 2024 की सबसे पॉपुलर इंडियन फिल्मों की लिस्ट में कल्कि 2898 एडी टॉप पर

साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी को रिलीज हुए लगभग एक महीने पूरा होना वाला है, लेकिन इसका क्रेज लोगों पर अभी भी बरकरार है। इस फिल्म को लगातार सफलता मिल रही है। अब इस फिल्म ने 2024 की अब तक की सबसे पॉपुलर इंडियन फिल्मों की आईएमडीबी लिस्ट में सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया है। फिल्म में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पटानी समेत कई कलाकारों ने अहम रोल निभाया है। वहीं नाग अश्विन ने डायरेक्ट किया है। डायरेक्टर नाग अश्विन ने कहा, ष्हमारी पूरी टीम के लिए आईएमडीबी लिस्ट में शामिल होना बहुत खुशी और सम्मान की बात है। मुझे लगता है कि यह सीधे तौर पर दुनिया भर में हमारे दर्शकों के प्यार को दर्शाता है। यह हमें सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। दूसरा स्थान मलयालम फिल्म मंजुम्मेल बॉयज ने हासिल किया। फिल्म में सोबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, बालू वर्गीज, गणपति एस. पोडुवल, लाल जूनियर, दीपक परम्बोल, अभिराम राधाकृष्णन, अरुण कुरियन, खालिद रहमान और शेबिन बेंसन लीड रोल में है। यह फिल्म 2006 में तमिलनाडु के कोडाइकनाल में हुई सच्ची घटना पर आधारित है। मंजुम्मेल बॉयज ग्रुप कोडाइकनाल में छुट्टियां मनाने पहुंचता है। वहां वह मशहूर गुफाओं में जाते हैं। ये गुफाएं कमल हासन की फिल्म श्गुनाश से लोकप्रिय हुई थीं। नशे में ध्ात और फुल–ऑन एक्साइटमेंट के चलते सभी खतरनाक चेतावनियों को नजरअंदाज कर एक गहरे गड्ढे के पास पहुंच जाते हैं। इस दौरान एक दोस्त सुभाष गड्ढे में गिर जाता है। अब अपने साथी को बचाने के लिए सभी एकजुट हो जाते हैं। मंजुम्मेल बॉयज के निर्देशक चिदंबरम ने कहा मंजुम्मेल बॉयज दोस्ती और एक सर्वाइवल थ्रिलर की कहानी है, जो जिंदगी की जंग और दोस्ती की कहानी को आगे ले जाती है। फिल्म का विजुअल स्टोरीटेलिंग ग्लोबल ऑडियंस को पसंद आया। यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। दर्शकों से मिले प्यार और जबरदस्त प्रतिक्रिया को देख मैं काफी खुश हूं। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर फाइटर लिस्ट में तीसरे स्थान पर रही, उसके बाद श्हनु मानश, श्शैतानश और लापता लेडीज का स्थान रहा। लिस्ट में अन्य फिल्मों में आर्टिकल 370, प्रेमलु, आवेशम और मुंज्या शामिल हैं। आईएमडीबी की साल के बाकी समय की सबसे प्रतीक्षित भारतीय फिल्मों की लिस्ट में भूल भुलैया 3, थंगालान, औरों में कहां दम था और स्त्री 2 शामिल हैं।

> “
> मंजुम्मेल बॉयज के निर्देशक चिदंबरम ने कहा मंजुम्मेल बॉयज दोस्ती और एक सर्वाइवल थ्रिलर की कहानी है, जो जिंदगी की जंग और दोस्ती की कहानी को आगे ले जाती है। फिल्म का विजुअल स्टोरीटेलिंग ग्लोबल ऑडियंस को पसंद आया। यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है।

मनोरंजन उद्योग में नेटवर्किंग और रिश्ते बेहद महत्वपूर्ण : सुम्बुल तौकीर

अपने करियर पर बात करते हुए एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर ने कहा कि सीखना एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि वह फिलहाल अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की ओर काम कर रही है। काव्या–एक जज्बा, एक जुनूनश में मुख्य भूमिका निभाने वाली सुम्बुल ने बताया, मैं हर अनुभव से सीखने और अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए काम करती हूं। आजकल मैं अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के साथ–साथ अपने काम में भी सुधार लाने की कोशिश कर रही हूं। उन्होंने कहा, ये कौशल मुझे बेहतर प्रदर्शन करने और उद्योग में विभिन्न भूमिकाओं और चुनौतियों के लिए लचीला बने रहने में मदद करते हैं। एक्ट्रेस को लगता है कि मनोरंजन उद्योग में सामाजिक होना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे नए कनेक्शन और संपर्क बनाने में मदद मिलती है। सुम्बुल ने बताया, मनोरंजन उद्योग में नेटवर्किंग और रिश्ते बहुत महत्वपूर्ण हैं। वे हमें नए अवसरों और सीखने की ओर ले जाते हैं। मुझे लगता है कि यह केवल संपर्क बनाने के बारे में नहीं है, बल्कि रिश्तों को स्वीकार करने के बारे में भी है। एक्ट्रेस ने इस बात पर जोर दिया कि मनोरंजन उद्योग में तालमेल बैठाना बेहद ही आवश्यक है क्योंकि यहां चीजें तेजी से बदलती हैं। उन्होंने कहा, मैं नए विचारों के साथ खुला रहना चाहती हूं, लगातार अपने कौशल में सुधार करना चाहती हूं और अलग–अलग भूमिकाएं और चुनौतियां लेना चाहती हूं। मुझे पता है कि असफलताएं यात्रा का हिस्सा हैं, लेकिन मैं उन्हें सीखने और आगे बढ़ने के अवसरों के रूप में देखती हूं। मुझे लगता है कि मजबूत बने रहने और अपने लक्ष्यों और विश्वासों को ध्यान में रखते हुए मैं और भी मजबूती से वापसी कर सकती हूं। मनोरंजन उद्योग बहुत प्रतिस्पर्धी है, और सुम्बुल इस बात से सहमत हैं। एक्ट्रेस ने कहा, प्रासंगिक बने रहना कठिन हो सकता है। इसलिए मैं हमेशा सुर्खियों में बने रहने के दबाव के बजाय अपने काम की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करती हूं। मैं अच्छा काम और सार्थक प्रोजेक्ट लेकर अपने लिए एक स्थायी करियर बनाना चाहती हूं। अंत में मुझे लगता है कि यह सब वास्तविक होने, महत्वाकांक्षी बने रहने और अपने काम को बोलने देने के बारे में है।

अरमान-कृतिका मलिक के अश्लील वीडियो पर बिग बॉस ओटीटी 3 मेकर्स का जवाब, कहा-क्लिप से की गई छेड़छाड़

कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 एक बार फिर विवादों में है। अश्लील वायरल वीडियो के मामले पर मेकर्स ने मंगलवार को जवाब दिया। दरअसल, बिग बॉस के घर से यूट्यूबर अरमान मलिक और उनकी दूसरी पत्नी कृतिका मलिक का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। इसमें दोनों इंटीमेट होते नजर आ रहे हैं। इस मामले को लेकर मेकर्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है। रियलिटी शो के मेकर्स ने अपने जवाब में कहा कि इस वीडियो क्लिप के साथ छेड़छाड़ की गई है, यह फर्जी है। मेकर्स ने बिग बॉस ओटीटी और जियो सिनेमा के खिलाफ इस तरह के अश्लील कंटेंट बनाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को शिवसेना विधायक मनीषा कायंदे ने मुंबई पुलिस आयुक्त से अश्लीलता के चलते शो को तुरंत बंद करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई को प्रसारित एपिसोड में कंटेस्टेंट को अश्लील और आपत्तिजनक हरकतें करते हुए दिखाया गया। कायंदे ने कहा, इस शो को बच्चे भी देखते हैं। इसलिए इस शो को तुरंत बंद किया जाना चाहिए। शो के प्रोड्यूसर्स और कंपनी के सीईओ के खिलाफ साइबर क्राइम के तहत मामला दर्ज होना चाहिए। इस मामले की जांच के लिए पुलिस आयुक्त से लिखित अनुरोध किया गया है। मंगलवार को, जवाब में, जियो सिनेमा के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, जियो सिनेमा प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम की जाने वाले किसी भी कंटेंट की क्वालिटी सुनिश्चित करने के लिए सख्त प्रोग्रामिंग स्टैंडर्ड और गाइडलाइंस का पालन करता है। बिग बॉस ओटीटी में ऐसा कोई कंटेंट नहीं था। वायरल हो रहे वीडियो क्लिप में अश्लीलता शामिल करने के लिए उससे छेड़छाड़ की गई है। यह फर्जी है। हम जियो सिनेमा की इंटीग्रिटी और दर्शकों के भरोसे को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस फर्जी क्लिप का क्रिएशन और सर्कुलेशन गंभीर चिंता का विषय है। हमारी टीम जांच कर रही है और श्बिग बॉस ओटीटीश और जियोसिनेमा के खिलाफ इस तरह की अपमानजनक कंटेंट बनाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेंगी। बिग बॉस ओटीटी 3 को अनिल कपूर होस्ट कर रहे हैं। शो में इस समय एक्टर रणवीर शौरी, साई केतन राव, सना मकबूल, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लवकेश कटारिया, विशाल पांडे, शिवानी कुमार, कपल अरमान मलिक और कृतिका मलिक व नेजी कंटेस्टेंट्स के तौर पर दिखाई दिए। बिग बॉस ओटीटी 3 रात 9 बजे जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होता है।

अगर मैं बिग बी के साथ काम कर रहा होता, तो भी मुझे दबाव महसूस नहीं होता : लक्ष्य खुराना

टीवी सीरियल इश्क जबरिया में एक्टर लक्ष्य खुराना आदित्य का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना रहे हैं। उन्होंने अपना एक्सपीरियंस शेयर किया और डर व दबाव के बारे में खुलकर अपनी बात रखी। अपने एक्सपीरियंस पर बात करते हुए, लक्ष्य ने कहा, इश्क जबरिया मेरा आठवां शो है, और इस प्रोजेक्ट के जरिए मुझे काम्या पंजाबी और प्रणति प्रधान जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला है। सीनियर एक्टर्स के साथ काम करने के चलते, मुझे कोई दबाव महसूस नहीं होता। एक्टर ने कहा, सेट पर, हम अपने किरदारों में पूरी तरह डूब जाते हैं और अपनी लाइंस और सींस पर फोकस करते हैं। जबकि कुछ एक्टर सीनियर के साथ काम करने से डर महसूस करते हैं। मैं इसे सीखने के अवसर के रूप में देखता हूं। लक्ष्य ने कहा, अगर मैं अमिताभ बच्चन के साथ काम कर रहा होता, तो भी मुझे दबाव महसूस नहीं होता। मेरा मानना है कि एक्सपीरियंस होल्डर एक्टर्स से सीखने के लिए बहुत कुछ है, और उनकी मौजूदगी मुझे और ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है। इश्क जबरिया बिहार के बेगूसराय में सेट एक रोमांटिक ड्रामा है, जो गुलकी (सिद्धि शर्मा) के बारे में है। वह खुशमिजाज और जिंदादिल लड़की है। वह एयर होस्टेस बनना चाहती है, लेकिन उसकी सौतेली मां उसके इस सपने को पूरा होने में बाध्ा बनी हुई है। तमाम रुकावटों के बाद भी गुलकी कभी उम्मीद नहीं खोती। इस शो में काम्या पंजाबी, सिद्धि और लक्ष्य हैं।

कृष्ण कुमार ने दी अपनी इकलौती बेटी को मुखाग्नि, तस्वीरें बयां कर रही तिशा के माता-पिता का दर्द

अभिनेता–निर्माता कृष्ण कुमार की बेटी और टी–सीरीज के चेयरपर्सन भूषण कुमार की चचेरी बहन तिशा कुमार का 18 जुलाई को 20 साल की उम्र में निधन हो गया। कथित तौर पर लंबी बीमारी से जूझने के बाद उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। तिशा कुमार का अंतिम संस्कार आज किया गया जहां मनोरंजन उद्योग की कई हस्तियां शामिल हुई। भूषण कुमार और दिव्या खोसला से लेकर रितेश देशमुख, फराह खान, साजिद खान, जावेद जाफरी और कई अन्य तिशा को अंतिम विदाई देने पहुंचे। इस दौरान तिशा के माता– पिता का हाल देख हर किसी की आंखें नम हो गई। एक जवान बेटी को खोने का दर्द अकल्पनीय है। यह वही समझ सकता है जिसने कभी अपनों को खोया है। दरअसल तिशा का अंतिम संस्कार मुंबई स्थित विले पार्ले श्मशान में रविवार शाम 5 बजे होना था, लेकिन उनके पार्थिव शरीर को लेकर आ रही फ्लाइट को भारी बारिश के कारण अपना रूट बदलना पड़ा। इसके बाद कृष्ण कुमार और तान्या सिंह ने बेटी का अंतिम संस्कार आज करने का फैसला किया। इस दौरान कई दिल दुखा देने वाली तस्वीरें सामने आ रही है, जिसमें कृष्ण कुमार और उनकी पत्नी बेहद बुरी हालत में नजर आ रहे हैं।अपनी इकलौती बेटी तिशा कुमार के अंतिम संस्कार में पिता कृष्ण कुमार फूट–फूटकर रोए। वहीं तान्या सिंह बेसुध हो गई जिन्हें परिवार वालों ने बेहद मुश्किल से संभाला। अपनी कजिन बहन तिशा कुमार को अंतिम विदाई देने पहुंची खुशाली और तुलसी कुमार के चेहरे पर भी उदासी साफ नजर आ रही थी। दिव्या खोसला भी अपनी ननद तिशा कुमार को अंतिम विदाई देने पहुंची थी। 'तिशा करीब तीन साल से कैंसर से पीड़ित थीं। वह कुछ दिन पहले ही बेहतर इलाज के लिए जर्मनी गई थीं जहां के अस्पताल में उन्होंने अंतिम श्वांस ली। तिशा टी–सीरीज के प्रमुख भूषण कुमार की भतीजी थीं। उनके पिता कृष्ण कुमार ने 1990 के दशक में बेवफा सनम और कसम तेरी कसम जैसी फिल्मों में अभिनय किया।

बच्चे ही नहीं बड़े भी करेला खाने से करते हैं इंकार तो अपनाएं ये सिंपल टिप्स, चाव से खाएंगे लोग

वैसे तो करेला हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। लेकिन करेले का नाम सुनकर ही लोग नाक–भौंह सिकोड़ने लगते हैं। हालांकि इसके पीछे एक वाजिब वजह भी है। क्योंकि करेला अपने कड़वाहट के कारण कई लोगों को नापसंद होता है। ऐसे में बच्चे का बड़े भी करेला खाना पसंद नहीं करते हैं। जबकि करेला कई बीमारियों जैसे डायबिटीज और खून साफ करने आदि में लाभकारी माना जाता है। ऐसे में अगर आप भी करेले की कड़वेपन के कारण इससे दूरी बनाकर चलते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के हम आपको करेले के कड़वेपन को दूर करने के कुछ आसान टिप्स बताने जा रहे हैं। इन टिप्स को फॉलो कर आप भी करेले को बनाते समय इसके कड़वेपन को दूर कर सकती हैं। बल्कि इसके कड़वेपन को दूर करके आप पौष्टिकता से भरपूर करेले की सब्जी का आसानी से लुत्फ उठा सकते हैं।

करेले की कड़वाहट दूर करने के उपाय

नमक का इस्तेमाल

करेला औषधीय गुणों से भरपूर होता है। लेकिन इसके कड़वेपन के कारण लोग इस सब्जी से दूरी बनाकर रखते हैं। ऐसे में अगर आप भी करेले की कड़वाहट को दूर करना चाहती हैं, तो इस सब्जी को काटकर रातभर के लिए इसमें नमक लगाकर रखें। फिर अगले दिन इनको बनाने से पहले अच्छे से धो लें और फिर इसकी सब्जी बनाएं। इस उपाय से करेले की कड़वाहन काफी हद तक दूर हो जाएगी।

दही का इस्तेमाल

दही भी हमारी सेहत के लिए लाभकारी होता है। बता दें कि दही में मौजूद तत्व करेले की कड़वाहट को दूर करने में सहायक होता है। इसकी कड़वाहट को दूर करने के लिए आप करेले को बनाने से पहले इसको छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर इनको कम से कम एक घंटे के लिए दही में भिगोकर रखें। ऐसा करने से करेले की कड़वाहट दूर हो जाएगी।

करेले का छिलका

करेले की कड़वाहट उसके ऊपरी छिलके में होता है। करेले की कड़वाहट को दूर करने के लिए इसके ऊपर के छिलके को उतार दें। इस दौरान ध्यान रखें कि छिलका फेंके नहीं, क्योंकि इसके छिलकों में पोषक तत्व पाए जाते हैं। छिलकों में नमक लगाकर कुछ देर के लिए इन्हें धूप में सुखा दें। फिर इन करेले में मसाले भरकर भरवां बनाकर फ्राई कर लें। इससे न सिर्फ करेले का कड़वापन दूर हो जाएगा और यह स्वादिष्ट भी बनेगा।

मानसून में इस तरह करें कीटाणु मुक्तफलों और भोजन की पहचान!

मानसून के दौरान कीटाणु मुक्त फलों और भोजन की पहचान करना स्वास्थ्य बनाए रखने और भोजन सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। इस मौसम में नमी के स्तर बढ़ जाते हैं, जिससे फलों और सब्जियों जैसी स्थायी वस्तुओं पर कीटाणुओं के विकास के लिए आदर्श स्थितियाँ बनती हैं। यहाँ हम आपको सरल उपाय बताएंगे जिससे आप सुरक्षित और कीटाणु मुक्त खाद्य पदार्थों को आसानी से पहचान सकें। इन निर्देशों का पालन करके आप मानसून के दौरान पौष्टिक और सुरक्षित भोजन का आनंद ले सकते हैं।''

स्वच्छता और स्थिरता

कीटाणु मुक्त फल और भोजन की पहचान करने का पहला कदम यह है कि वे स्वच्छ और स्थिर हों। यानी कि वे दिखने में सुदृढ़ और बिना किसी अनियमितता या दाग–धब्बे के हों।

स्वाद और गंध

स्वाद और गंध एक अच्छे फल या भोजन की पहचान में मदद कर सकते हैं। अच्छे फल और सब्जियां गंधमय और स्वादिष्ट होती हैं। यदि कोई अजीब या अप्रिय गंध है तो वे नष्ट हो सकते हैं।

छिलका और रंग

फलों और सब्जियों का रंग और छिलका भी उनकी पहचान में महत्वपूर्ण हैं। स्वस्थ फलों और सब्जियों की छिलका साफ, नमीली और बिना किसी गहरी धब्बे के होती है। अच्छे रंग की फलों और सब्जियों की छिलका भी उनकी स्थिरता को दर्शाती है।

सूजन और कमी

कई फल और सब्जियां अपनी अच्छी स्थिति में सूजन और कमी के बिना होती हैं। यदि आपके खरीदे फल या सब्जी में सूजन है या वे खूबसूरती में कमी दिखाते हैं, तो वे अनापेक्षित गिर सकते हैं।

खोजें उपयुक्त लेबलिंग

अधिकतर सुपरमार्केट्स और भोजन बिक्रेताओं द्वारा प्रदान की जाने वाली लेबलिंग भी एक साधन हो सकती है जिससे आप उस फल या भोजन को पहचान सकते हैं जो कीटाणु मुक्त होता है।

बचाव के लिए पैकेजिंग पर ध्यान दें

यदि आप बाजार से पैकेज फल या भोजन खरीद रहे हैं, तो पैकेजिंग पर ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि पैकेज अच्छी तरह से बंद है और किसी भी फंगल या अन्य प्रकार के विकृतियों के लक्षण नहीं हैं।

स्थिति की जांच करें

फलों और सब्जियों की स्थिति भी उनकी गुणवत्ता को दर्शाती है। अच्छे फल और सब्जियां स्थिरता में होती हैं और कोई धब्बे, फेफड़ों या सूजन के लक्षण नहीं होते हैं। इसलिए, जब भी संभव हो, खरीदारी करने से पहले उनकी स्थिति की जांच करें।

इस वजह से होता है मानसून में बार-बार बुखार, जानें कब दिखाएं डॉक्टर को

बरसात के मौसम में बुखार होने के विभिन्न कारण हो सकते हैं। ये मौसम ठंडा और नमी से भरा होता है, जिससे वायरल इंफेक्शनों का प्रसार अधिक होता है। वायरल इंफेक्शन जैसे कि जुकाम, सर्दी और फ्लू, बरसाती मौसम में बच्चों और वयस्कों दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, गीली और ठंडी हवा बच्चों को ज्यादा संक्रमित करने की संभावना बढ़ाती है। बरसाती मौसम में बच्चों को ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होती है, और अगर उन्हें बुखार हो, तो उन्हें जल्दी से डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

बरसात के मौसम में बुखार होने की कुछ मुख्य वजहें शामिल हो सकती हैं, जिन्हें डॉक्टर से परामर्श करना जरूरी हो सकता है।

वायरल इंफेक्शन

बरसात के मौसम में वायरल इंफेक्शनें बहुत होते हैं, जैसे की व्यू फीवर, डेंगू, चिकनगुनिया आदि। इन इंफेक्शनों के कारण अचानक बुखार हो सकता है और इसके लक्षण हो सकते हैं जैसे कि बुखार, सिरदर्द, थकान, जोड़ों में दर्द आदि।

बैक्टीरियल इंफेक्शन

बरसात के मौसम में कुछ बैक्टीरियल इंफेक्शन भी हो सकते हैं, जैसे कि टाइफाइड, बैक्टीरियल प्नेयमोनिया आदि। इन इंफेक्शनों के लिए अक्सर बुखार, साथ ही साथ सांस की समस्याएं और पेट दर्द की समस्या हो सकती है।

पानी में भीगना

बरसात के मौसम में भीगना, गंदे पानी में खेलना या गंदी जगहों में रहना संक्रमण के कारक बन सकता है, जिससे इंफेक्शन हो सकता है और बुखार उत्पन्न हो सकता है।

एलर्जी

कुछ लोगों को बरसात के मौसम में एलर्जी होती है, जैसे कि भीगे भीगे पौधे, कीटाणुओं से उत्पन्न होने वाली एलर्जी, जिससे बुखार उत्पन्न हो सकता है।

ठंडी और नमी

बरसाती मौसम में ठंडी और नमी से भी कुछ लोगों को बुखार हो सकता है, खासकर जिन्हें सांस की समस्याएं हों या जो संक्रमण पर संवेदनशील हों।

इन सभी कारणों से, बरसात के मौसम में अगर बुखार होता है तो डॉक्टर से परामर्श करना जरूरी हो सकता है। डॉक्टर आपके लक्षणों का मूल्यांकन करेंगे और उचित उपचार सुझाएंगे। विशेषकर यदि बुखार के साथ अन्य लक्षण भी हैं जैसे कि सांस की समस्या, थकावट, अत्यधिक चिंता आदि।

चिलचिलाती गर्मी में एमपी के इन पांच हिल स्टेशनों को करें एक्सप्लोर, खूबसूरती देख आ जाएगी मजा

इस चिलचिलाती गमी में हर कोई किसी ठंडी जगह पर जाना चाहता है। इन दिनों लोग हिल स्टेशन जाते हैं। हिल स्टेशन का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में सबसे पहले उत्तराखंड, मसूरी और हिमाचल का नाम आता है। लेकिन हर बार इन्हीं जगहों पर जाने से बोरियत होने लगती है। ऐसे में अगर आप भी इन हिल स्टेशनों पर नहीं जाना चाहते हैं, तो आप मध्य प्रदेश के हिल स्टेशनों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। मध्यप्रदेश अपने ऐतिहासिक चमत्कारों और वाइल्ड्ड सेंचुरी के लिए काफी ज्यादा फेमस है। लेकिन यहां पर खूबसूरत हिल स्टेशन भी हैं। हरियाली के बीच मौजूद ये हिल स्टेशन न सिर्फ गर्मियों से राहत देते हैं, बल्कि यह आपको रोमांचित करने का काम भी करते हैं। ऐसे में अगर आप भी गर्मियों में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मध्य प्रदेश के 5 हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

पंचमढ़ी

मध्य प्रदेश के सबसे खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशनों की लिस्ट में शामिल पंचमढ़ी को सतपुड़ा की रानी भी कहा जाता है। सतपुड़ा रेंज के भीतर बसा यह शहर हरे–भरे जंगलों, झरने और प्राचीन गुफाओं से भरा है। अगर आप एडवेंचर के शौकीन हैं, तो आप यहां पर ट्रेकिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं। यहां पर ऊंचाई से काफी शानदार नजारा देखने को मिलता है। बता दें कि यहां पर जटाशंकर और बी–फॉल्स को एक्सप्लोर करना न भूलें। हरे–भरे जंगलों में ऊंचाई से गिरते पानी की आवाज भी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

तामिया

प्रकृति की गोद में बसा तामिया एमपी का छिपा हुआ रत्न है। यह जगह उन लोगों के लिए जन्नत से कम नहीं है, जो एडवेंचर और नेचर से प्यार करते हैं। तामिया 1,100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह हिल स्टेशन शहरी जीवन से दूर शांति और सुकून देता है। यहां पर चट्टानों के किनारे ब्रिटिश काल के जमाने के घर बने हैं। यहां पर आप सतपुड़ा रेंज के घने जंगलों के बीच ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके साथ ही यहां पर तामिया वॉटरफॉल जरूर देखें।

चंदेरी

मध्य प्रदेश का चंदेरी शहर अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। 656 मीटर की ऊंची पहाड़ी पर बसा चंदेरी विरासत और प्राकृतिक सुंदरता का अनूठा मिश्रण है। इसके अलावा यह शहर चंदेरी के सूट और साड़ियों के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। चंदेरी में बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और वरुण धवन की फिल्म्म सुई धागा की शूटिंग हुई थी। आप यहां पर चंदेरी का किला एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर महलों से घिरी घुमावदार गलियों और प्राचीन स्मारकों को देख सकते हैं।

मांडू

मध्यप्रदेश की ऑफबीट डेस्टिनेशन में शामिल मांडू में हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। मांडू विंध्य पर्वत श्रृंखला पर बसा है और यह छठी शताब्दी के वास्तुशिल्प से सजा है। मांडू का किला बीते युग की कहानियां बयां करता है। वहीं समुद्र के बीच राजसी जहाज महल तैरता हुआ लगता है और रूपमती का मंडप नर्मदा घाटी का बेहद शानदार दृश्य पेश करता है। आपको यहां पर सनसेट का नजारा मिस नहीं करना चाहिए।

अमरकंटक

मैकाल पहाड़ियों की हरी–भरी हरियाली के बीच अमरकंटक हिल स्टेशन भी काफी शानदार है। इसे एमपी का सबसे पवित्र तीर्थ स्थल भी माना जाता है। माना जाता है कि यह पवित्र नदियों नर्मदा, सोन और जोहिला का सोर्स है। इसके कारण इस जगह का आध्यात्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है। इसके अलावा आप यहां पर प्राचीन कपिलधारा झरना और नर्मदा मंदिर देख सकते हैं। अगर आप सेल्फ डिस्कवरी के शौकीन हैं, तो आपको यह जगह निराश नहीं करेगी।

वाराणसी के युवा नेत्र चिकित्सक को ISCKRS यंग अचीवर अवार्ड

वाराणसी। इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केराटोरेफ्रैक्टिव सर्जनष् (ISCKRS MEET–2024) का वार्षिक सम्मलेन 2 से 4 अगस्त 2024 के बीच नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है।

संगठन नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में डॉ प्रत्यूष को कम उम्र में ही उनकी कॉर्निया, चश्मा हटाने की सर्जरी (लेसिक इत्यादि), जटिल मोतियाबिंद एवं प्रीमियम लेंस प्रत्यारोपण जैसे उत्कृष्ठतम कार्य के अपार योगदान को देखते हुए षISCKRS यंग अचीवर अवार्डष् से सम्मानित करना तय किया है, जिसकी सूचना कल ही प्राप्त हुई है।

भारत की सबसे बड़ी तथा विश्व की दूसरी सबसे बड़ी नेत्र अस्पतालों की श्रृंखला एएसजी नेत्र चिकित्सालय के उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जोन के डायरेक्टर एवं सीनियर कंसल्टेंट एवं एएसजी सुपरस्पेशलिटी नेत्र चिकित्सालय, महमूरगंज, वाराणसी शाखा के डॉयरेक्टर नेत्र चिकित्सक डॉ प्रत्यूष रंजन पिछले 7 सालों से वाराणसी में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं ।

डॉ. प्रत्यूष रंजन वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली से नेत्र विज्ञान में स्नातकोत्तर हैं। उन्हों ने फ्रीमैन अस्पताल, न्यूकैसल, यूनाइटेड किंगडम, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली और सीतापुर नेत्र अस्पताल, सीतापुर, उत्तर प्रदेश में प्रशिक्षण प्राप्त किया

है।

वर्तमान में, डॉ. रंजन एएसजी नेत्र अस्पताल, वाराणसी में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड क्षेत्र के चिकित्सा निदेशक और एएसजी सुपरस्पेशलिटी नेत्र अस्पताल, वाराणसी के चिकित्सा निदेशक और मोतियाबिंद, अपवर्तक और ग्लूकोमा विशेषज्ञ के रूप में काम कर रहे हैं।

उन्होंने नेशनल सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस – एनएसपीबी के शहीद भगत सिंह नेत्र अस्पताल में 2.5 साल से अधिक समय तक कंसल्टेंट नेत्र रोग विशेषज्ञ और चिकित्सा अधीक्षक के रूप में काम किया, उनके नेतृत्व में अस्पताल पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक मोतियाबिंद सर्जरी करने वाला केंद्र बन गया (सालाना 15,000 से अधिक मोतियाबिंद सर्जरी)।

डॉ. रंजन को 55000 से अधिक मोतियाबिंद, अपवर्तक 2500 से अधिक, ग्लूकोमा 2500 से अधिक, 3000 से अधिक रेटिनल लेजर और इंजेक्शन तथा 1500 से अधिक ओकुलोप्लास्टी सर्जरी का अनुभव है।

उन्होंने मोतियाबिंद सर्जरी करने के लिए एक नई सर्जिकल तकनीक विकसित की हैय रंजन की संशोधित मैनुअल स्मॉल इन्सिजन मोतियाबिंद सर्जरी (आर–एमएसआईसीएस), फेकोएमल्सीफिकेशन मोतियाबिंद सर्जरी के लिए कार्टव्हील चॉप और संयुक्त ग्लूकोमा और मोतियाबिंद सर्जरी (द इनफिनिटी इन्सिजन)।

वे दो सर्जिकल उपकरणों, रंजन एमएसआईसीएस मार्कर और कार्टर (द कार्टव्हील चॉपर) के आविष्कारक भी हैं।

डॉ. रंजन एक विपुल लेखक और वक्ता हैं। उन्होंने सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाओं में सैंतीस से अधिक प्रकाशन, एक पुस्तक लिखी है और चार पुस्तक अध्यायों में योगदान दिया है।

वे अक्सर विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में आमंत्रित अतिथि वक्ता और प्रशिक्षक के रूप में कार्य करते हैं। अब तक उन्होंने अपने साथ फेलोशिप के दौरान मोतियाबिंद और ग्लूकोमा सर्जरी में कई युवा नेत्र रोग विशेषज्ञों को प्रशिक्षित किया है।

वे समाज में नेत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और रोकथाम योग्य अंधेपन को मिटाने के लिए एक गैर सरकारी संगठन, अशोका फाउंडेशन चलाते हैं।

जमकर चले लाठी डंडे दो चोटिल

प्रयागराज । करमा चौकी क्षेत्र के राजापुर गांव में एक नाश्ते की दुकान के पास दो पक्षों में मामूली बात पर विवाद हो गया। विवाद के समय ही एक पक्ष से कई लोग आ गए और दूसरे पक्ष पर लाठी डंडे से से हमला बोल दिया। चिल्ली निवासी नागेश पटेल बुधवार को राजापुर गए थे जहां चकिया डेरा के गंगा भारतीया से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। पास में स्थित गंगा के घर पर सूचना गई तो वहां से कई लड़के लाठी डंडा लेकर आये और नागेश को मारना शुरू कर दिया। जानकारी मिलने पर नागेश का भाई बृजेश आ गया तो उसे भी मारा पीटा गया। राहगीरों ने किसी तरह मामला शांत कराया। घायल नागेश व बृजेश को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित पक्ष द्वारा घटना की लिखित जानकारी स्थानीय पुलिस को दे दी गई है।

दयानंद पब्लिक स्कूल में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन चित्रकला मेहंदी व निबंध प्रतियोगिता संपन्न

चित्रकला निर्णायक (जज) कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा को सम्मानित किया गया'

प्रयागराज। आज अखिल भारतीय युवा खत्री समाज के तत्वाधान में भारतरत्न राजर्षि पुरषोत्तमदास टंडन जी की जयंती के पखवाड़े के द्वितीय फेस में दयानंद पब्लिक स्कूल, डी ए वी इंटर कॉलेज एवं डी ए वी पब्लिक स्कूल में चित्रकला, निबंध, मेंहदी प्रतियोगिता सम्पन हुई, चित्रकला प्रतियोगिता सुप्रसिद्ध चित्रकार एवं राज्य ललित कला अकादमी के कार्यकारिणी सदस्य रहे रवीन्द्र कुशवाहा ने किया तथा मेहंदी एवं निबंध प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में श्रीमती शोभा दरबारी, डॉ नीता सेठ, एवं नीलम बहल रहीं। निर्णय के उपरांत निर्णायक मंडल के जजों को,प्रधानाचार्य जी व विजयी छात्रों को पुरस्कृत व सम्मानित भी किया गया साथ ही 1अगस्त को लाजपत शिशु बिहार में संपन्न होने वाले कार्यक्रम के लिए ग्रैंड फिनाले का पास भी दिया गया। आज की प्रतियोगिताएं संपन्न कराने में पप्पन जी टंडन,ब्रजेश बिट्टू सिडाना,विपुल मेहरोत्रा, विश्वजीत बनर्जी आदि का विशेष योगदान रहा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्भव सुनवाई

प्रयागराज । नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज, श्री चन्द्रमोहन गर्ग द्वारा आज दिनांक 23 जुलाई 2024 को जन सुनवाई करते हुए नगर निगम में आये हुए फरियादियों की शिकायतों को सुना गया, जिसमें कुल 46 शिकायतें प्राप्त हुई। जनशिकायतों के अविलम्ब गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण कराये जाने हेतु नगर आयुक्त द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये, और यह भी निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता पूर्ण शिकायतों का निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलिता न बरती जाय।

'सम्भव' जन सुनवाई बैठक के दौरान अपर नगर आयुक्त श्री दीपेन्द्र यादव, उप नगर आयुक्त श्री अनुपम शुक्ला, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा0 अभिषेक सिंह, पशुधन अधिकारी डा0 विजय अमृत राज तथा मुख्य अभियन्ता विद्युत श्री संजय कटियार, मुख्य अभियन्ता श्री सतीश कुमार, जलकल महाप्रबंधक श्री गौरव कुमार, लेखाधिकारी अक्षय कुमार समस्त जोनल अधिकारी, अधिशाषी अभियन्ता निर्माण तथा विद्युत, सचिव नगर आयुक्त तथा अवर अभियन्ता सहित नगर निगम के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

समन्वय संकल्प

का अगला आयोजन '27 जुलाई को'

मुंबई । सामाजिक , साहित्यिक , शैक्षणिक व सांस्कृतिक ट्रस्ट

मुंबई के बुद्धिजीवियों की लोकप्रिय संस्था

स्थापना : जून 1985

सेवा , समर्पण और सक्रियता का '40 वां वर्ष ...'

अगला '185 वां आयोजन' आगामी

27 जुलाई 2024 , शनिवार की शाम 5 बजे से ...

'शारदा ज्ञानपीठ इंटरनेशनल स्कूल सभागृह' ,

दत्त मंदिर रोड , मिलेट्री के सीओडी के ठीक बगल , मालाड (पूर्व) , मुंबई में होगा ।

'कवि सम्मेलन , पुस्तक लोकार्पण , सम्मान समारोह , आदि ...'

कृपया तारीख आरक्षित कर लें और पधारें ।

कृपया यशस्वी भव का आशीर्वाद दीजिए ।

समन्वय संकल्प 'प्रकाशन' की ओर से अब तक हिंदी साहित्य की '39' पुस्तकें प्रकाशित ।

आप लोगों का आशीर्वाद , सहयोग व मार्गदर्शन अपेक्षित है ।

... उक्त जानकारी अनिरुद्ध पाण्डेय'

संस्थापक : समन्वय संकल्प

कांदिवली , मुंबई. ने दी ।

वैश्वीकरण और भारतीय प्रवासी विशेष विषयक व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज । राजनीति विज्ञान विभाग, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज ने "वैश्वीकरण और भारतीय प्रवासी" पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत हमारे मुख्य अतिथि प्रो. मुहम्मद शाहिद, विभागाध यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के औपचारिक स्वागत के साथ हुई। कार्यक्रम की मेजबानी डॉ. अनुराधा सिंह ने की। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य डॉ. संजना गुप्ता, डॉ. अनिल श्रीवास्तव, डॉ. संजय पांडे, डॉ. अरुण कुमार वर्मा, डॉ. गोविंद गौरव, डॉ. चंदन कुमार, और डॉ. अविनाश चंद्र उपस्थित थे।

स्वागत भाषण हमारे सम्माननीय प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे द्वारा दिया गया। प्रो. खरे ने राजनीति विज्ञान विभाग, विशेषकर हमारे संयोजक डॉ. अनिल श्रीवास्तव के इस सुंदर शैक्षिक कार्यक्रम के आयोजन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह हमारे नए बने अत्याधुनिक सम्मेलन कक्ष में आयोजित पहला कार्यक्रम था।

हमारे प्रतिष्ठित अतिथि प्रो. मुहम्मद शाहिद का विशेष व्याख्यान वैश्वीकरण के विभिन्न पहलुओं और इसके हमारे सभ्यतागत यात्रा के साथ विकास पर केंद्रित था। प्रो. शाहिद ने अपने 36 वर्षों के असाधारण अनुभव और अनुभवजन्य ज्ञान से समृद्ध एक अत्यंत सूचनात्मक और व्यापक व्याख्यान दिया। उन्होंने पुस्तकीय और सैद्धांतिक ज्ञान से परे जाकर अपने जीवन के अनुभवों के आधार पर वैश्वीकरण की बदलती प्रकृति और भारतीय प्रवासी की भूमिका को समझाया। उन्होंने भारत की विकास यात्रा में प्रवासी भारतीयों की भूमिका पर जोर देते हुए यह बताया कि भारतीय प्रवासी पूरी दुनिया में न केवल अपने लिए एक बेहतर स्थान बना रहे हैं बल्कि भारत के लिए निवेश और प्रभाव का स्रोत भी बन रहे हैं। प्रो. शाहिद को सुनना प्रत्येक श्रोता के लिए एक अद्भुत अनुभव था।

व्याख्यान के बाद प्रश्न और उत्तर सत्र हुआ जहां वक्ता ने दर्शकों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर दिया, जिससे यह सत्र वास्तव में रचनात्मक बन गया।

कार्यक्रम का समापन डॉ. संजना गुप्ता द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मनोकामना पूर्ति के लिए मन से भगवान का स्मरण जरूरी-सिद्धि विनायक

प्रतापगढ़, लालगंज। नगर के संगम चौराहे के समीप हो रही शिवमहापुराण कथा में बुधवार को भगवान शंकर के कल्याणकारी स्वरूप का वर्णन सुन शिवभक्त मंत्रमुग्ध हो उठे। कथाव्यास सिद्धि विनायक ओझा ने कहा कि परमात्मा जीव के प्रति सदैव दयावान रहता है। भक्त जब भी करूणा के साथ महादेव का स्मरण करता है तो भगवान भोलेनाथ अपने भक्त की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। उन्होनें कहा कि भगवान शंकर के हर स्वरूप में जगत के कल्याण का ही भाव निहित है। आचार्य विनोद त्रिपाठी तथा प्रधानाचार्य एसएन त्रिपाठी व समाजसेवी पं0 यज्ञेशदत्त त्रिपाठी ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। कथा के दौरान शिव महिमा से जुड़े भजनों को सुनकर श्रद्धालु भावविभोर दिखे। संयोजक रामकृष्ण ओझा, त्रिवेणी प्रसाद शुक्ल व इं0 हिमांशु ओझा ने कथाव्यास का श्रीअभिषेक किया। कथा श्रवण के दौरान नितेश द्विवेदी, विष्णु सिंह, डिंपल सिंह, शशिकांत मिश्र, आरती ओझा, अंजलि ओझा, सुमन शुक्ला, चम्पा देवी, अम्बरीश मिश्र, राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, बबलू तिवारी, रामधन विश्वकर्मा आदि रहे। इधर बाबा घुइसरनाथ धाम में हो रही नौ दिवसीय श्रीशिवमहापुराण कथा में भी श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी दिखी। कथाव्यास आचार्य मनीष कृष्ण शास्त्री जी ने कहा कि भगवान शिव ने जगत कल्याण के लिए आवश्यकता पड़ने पर आततायियों का संहार किया। उन्होनें कहा कि विश्व को समृद्धि बनाने के लिए शांति के वातावरण का सृजन शिवमहिमा का सार है। आचार्य मनीष कृष्ण शास्त्री जी ने बताया कि भगवान शंकर दयालु हैं। वहीं उन्होनें बताया कि आततायी यदि किसी संत पुरूष को कष्ट देता है तब उसे भगवान शिव के महाप्रकोप का दण्ड भी अवश्य मिला करता है। प्रारम्भ में आचार्य पीयूष कृष्ण शास्त्री तथा वृन्दावन धाम से पधारे आचार्य आशीष किंकर जी ने भगवान भोलेनाथ का स्तुति वंदन किया। इस मौके पर डा0 मान सिंह, रामकृष्ण मिश्र, नन्हें नगरहा, रामप्रताप मिश्र, पवन मिश्र प्रखर, आदित्य नारायण मिश्र, हृदय नारायण मिश्र, रामू मिश्र, फूलचंद्र पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ में गैंग रेप के दो आरोपियों के पैर में लगी गोली, भर्ती

प्रतापगढ़, पट्टी। दुकान पर मोबाइल ठीक कराने आई 17 जज नाबालिग किशोरी से दुकानदार ने झांसा देकर चार लोगों ने दुराचार किया। मामला दर्ज होने पर आरोपियों की घेराबंदी के दौरान मंगलवार कील रात 10.30 दुराचारियों से पट्टी इलाके के कलनियन नहर पुलिया के पास पुलिस से मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से चली गोली में दो आरोपियों के पैर में पुलिस की गोली लग गई। आरोपियों को पट्टी सीएचसी से मेडिकल कालेज रिफर किया गया। पट्टी इलाके के उडैयाडीह बाजार मोड़ पर बेलसण्डी निवासी वसीम पुत्र निगार मोबाइल की दुकान खोल रखी है। इलाके के एक गॉव की किशोरी 19 जुलाई को वसीम के दुकान पर मोबाइल ठीक कराने आई थी। वापस लौटते समय एक परिचित द्वारा घर छोड़ने के बहाने बाइक पर बैठा लिया। किसी न किसी काम के बहाने से परिचित ने कई जगह घुमाने के बाद अपने चार साथियों के साथ मिलकर बारी–बारी से दुष्कर्म किया। दुष्कर्मियों के चंगुल भाग निकली किशोरी ने घटना की तहरीर थाने में दी। जिसमें वासिम खान, मकबूल, सोनू व लालबाबू को नामजद किया। मंगलवार की सुबह पट्टी पुलिस बुलडोजर लेकर आरोपियों के घर पहुंची। घर की महिलाओं के अनुनय के बाद पुलिस वापस लौट गई। मगर रात में ही पट्टी एसओ आलोक कुमार व स्वॉट प्रभारी सुनील कुमार यादव की टीम से दुष्कर्मियों की मुठभेड़ हो गई। पैर में गोली लगने से दोनों दुष्कर्मी मेडिकल कालेज में भर्ती किए गये हैं।

पुण्यतिथि पर राष्ट्रपति से सम्मानित प्रधान को किया नमन

प्रतापगढ़, कुण्डा। महेशगंज थाना क्षेत्र के महेवा मलकिया गांव में बुधवार को राष्ट्रपति सम्मानित पूर्व प्रधान जनार्दन प्रसाद त्रिपाठी की पुण्यतिथि मनाई गयी। कार्यक्रम में पहुंचे बाबागंज विधायक एवं जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रदेश अध्यक्ष विनोद सरोज ने कहा कि भारतीय सेना में अदम्य साहस भरी सेवा प्रदान करने के साथ सामाजिक क्षेत्र में जनार्दन प्रसाद त्रिपाठी की दीर्घकालिक सेवा सदैव चिरस्मरणीय रहेगी। उन्होनें स्वयं तथा जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भइया की ओर से पूर्व प्रधान की स्मृति को नमन किया। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के मीडिया प्रभारी एवं रूरल बार के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि स्वर्गीय जनार्दन प्रसाद त्रिपाठी के कार्यकाल में स्वच्छता के क्षेत्र में महेवा मलकिया को राष्ट्रपति सम्मान को गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप पटेल ने भी पंचायत प्रतिनिधियों की ओर से उनकी स्मृति को नमन किया। पूर्व प्रमुख हितेश प्रताप सिंह पंकज, लालगंज टाउन एरिया चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, पूर्व कुलपति प्रो0 राकेश पाण्डेय, ब्राम्हण सभा के संरक्षक सुरेश प्रताप पाण्डेय आदि ने भी पुष्पांजलि कार्यक्रम में विचार रखे। कार्यक्रम के संयोजक आलोक त्रिपाठी ने प्रारम्भ में स्वर्गीय जनार्दन प्रसाद के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। संचालन अधिवक्ता अरविन्द त्रिपाठी पंकज व आभार प्रदर्शन अधिवक्ता आनन्द त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर आनन्द शुक्ला, आदित्य त्रिपाठी, धीरज शुक्ला, विकास मिश्र, राणा सूबेदार सिंह चौहान, अनिल त्रिपाठी महेश, विन्ध्यवासिनी शुक्ल, दि बार एसोशिएसन कुण्डा के अध्यक्ष शीतला प्रसाद यादव, सिविल बार अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता हनुमान पाण्डेय, दिनेश सिंह आदि मौजूद रहे।

पेश बजट में अधिवक्तों के हितों की उपेक्षा, बैठककर जताया आक्रोश

प्रतापगढ़, लालगंज। केन्द्रीय बजट में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम के साथ कल्याणकारी योजनाओं में बजट के विशेष पैकेज घोषित न करने को लेकर अधिवक्ताओं ने असंतोष जताया है। बुधवार को लालगंज स्थित सिविल कोर्ट परिसर में बजट को लेकर अधिवक्ताओं की बैठक हुई। आल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि केन्द्रीय बजट में सामाजिक न्याय की लडाई लड़ने वाले अधिवक्ताओं के लिए सरकार ने मांग के बावजूद अलग से बजट का प्राविधान नही रखा। उन्होने कहा कि अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम के साथ अधिवक्ताओं की कल्याणकारी योजनाओं में बजट में कुछ भी नहीं दिया गया।ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि सरकार अधिवक्ताओं की मांगों पर उदासीन बनी हुई है। उन्होनें अधिवक्ताओं से जुडी मांगो को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन को मुखर बनाने का ऐलान किया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय महासचिव अनिल त्रिपाठी महेश व संचालन प्रवक्ता विकास मिश्र ने किया। इस मौके पर रमेश पाण्डेय, जितेन्द्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विभाकर नाथ शुक्ल, जान्हवी प्रताप सिंह, तपन पाण्डेय, शैलेन्द्र मिश्र, प्रमोद सिंह, शैलेन्द्र सिंह बघेल, प्रभाकर पाल, शिवप्रसाद यादव, संजय सिंह, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, शिव नारायण शुक्ल, विपिन शुक्ल, कौशलकिशोर शुक्ल आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

जन सूचना अधिकार के तहत नहीं दी जा रही जानकारी

प्रतापगढ़, कुण्डा। बिहार ब्लाक के देवरपट्टी गांव के रहने वाले आधा दर्जन युवाओं ने बिहार के जन सूचना अधिकारी से जन सूचना अधिकार अधिनियम के तहत विन्दुवार जानकारी मांगी है। बीडीओ को दिये पत्र में युवाओं ने जून 2021 से जुलाई 2024 तक के आवास, मनरेगा में कराये गए विकास कार्य और चौदवे वित्त आयोग से मिली धनराशि का सम्पूर्ण ब्यौरा उयलब्ध कराने की मांग की है। एक माह बीतने के बाद भी खंड विकास कार्यालय की तरफ से कोई जानकारी नही उपलब्ध करायी गयी है। जिससे युवाओं में सिस्टम के प्रति आक्रोश है। फोन पर उनका कहना है की प्रधान और बीडीओ बिहार की मिलीभगत के चलते उन्हे जानकारी नही मिल पा रही है।

संक्षिप्त

बीएसए ने पत्र जारी कर पुरानी पेंशन स्कीम का विकल्प पत्र भरने का दिया समय

प्रतापगढ़। बेसिक शिक्षा में नियुक्त शिक्षकों व कर्मचारियों को पुरानी पेंशन स्कीम में आने के लिए विकल्प पत्र भरने का पत्र जारी किया है। इस श्रेणी में वे शिक्षक व कर्मचारी शामिल हैं जिनके नियुक्ति का विज्ञापन नई पेंशन स्कीम लागू होने यानी 28 मार्च 2005 से पूर्व जारी हुआ था। मगर नियुक्ति नई पेंशन स्कीम लागू होने पर की गई। इसे लेकर शिक्षक व कर्मचारियों ने काफी अर्से से केन्द्र की तरह मेमोरेण्डम जारी करने की मांग कर रहे थे। केन्द्र सरकार के आधीन विभागों में नियुक्त ऐसे कर्मचारियों को मेमोरेण्डम जारी कर पुरानी पेंशन का लाभ दिया जा चुका है। प्रदेश सरकार ने मांगों को देखते हुए इस तरह का आदेश जारी किया है। बीएसए भूपेन्द्र सिंह ने जिले के सभी एबीएसए को पत्र जारी कर पुरानी पेंशन का विकल्प पत्र भरने के लिए 31 जुलाई तक का समय दिया है। इस आदेश से जिले के 7 सौ से अधिक शिक्षक व कर्मचारी लाभान्वित होंगे। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डा0 विनोद त्रिपाठी ने प्रदेश सरकार व बीएसए को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

रेप में असफल कामांध युवकों ने युवती को पीटकर किया घायल, पट्टी पुलिस ने नहीं सुनी तो न्याय के लिए पहुंची एसपी के चौखट

प्रतापगढ़। पट्टी थाना क्षेत्र के सदहा गांव की एक युवती के साथ पड़ोस के चार युवाओं ने घर में अकेला पाकर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। युवती के विरोध पर कामांध युवाओं ने उसे पीटकर घायल कर दिया। पट्टी पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं कि तो पीड़िता बुद्धवार को एसपी दफ्तर पहुचकर पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई है। युवती ने एसपी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि 20 जुलाई की सुबह वह घर में भोजन बना रही थी। घर के परिजन काम से बाहर गये थे। उसी समय गांव के संजीत यादव, रंजीत, मंजीत तथा राजमंगल घर में घुस आए। मुझे अकेला पाकर अश्लील हरकत करते हुए दुष्कर्म की नीयत से विस्तर पर पटक दिया। मेरे विरोध करने व चिल्लाने पर मुंह को दबा दिया। कामांधों के पिटाई से मेरा दाहिना पैर तोड़ दिया। उंगली मरोड़ दिया और गर्दन को दबाए रखा जिसमें सूजन आई है। चिल्लाने की आवाज सुनकर मेरी मां के आने पर आरोपी गाली व धककियां देने लगे। कहीं शिकायत करने पर पूर परिवार को जान से मार डालने की धमकी दी। पीड़िता ने एसपी से न्याय की गुहार लगाई है।

किसान मेला व वैज्ञानिक वार्ता में किसानों को दी जाएगी जानकारी

प्रतापगढ़। शहर स्थित तुलसी सदन में 26 जुलाई को किसान मेला व कृषक वार्ता का आयोजन किया गया है। कृषि विभाग की तरफ से जारी विज्ञप्ति में बताया है कि कृषि की नवीनतम तकनीक से रबी 2024–25 में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के उद्देश्य से मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कृषि निवेशों, खाद, बीज, सिंचाई, विद्युत इत्यादि के बारे में किसानों को जानकारी दी जाएगी। कृषक वैज्ञानिक वार्ता कार्यक्रम के तहत किसान वैज्ञानिकों से सीधे जुड़ सकेंगे। मेले में सभी विभागों द्वारा अपने–अपने विभाग से सम्बन्धित क्रिया कलापों एवं शासन द्वारा अनुमन्य सुविधाओं की जानकारी, प्रदर्शनी, स्टाल के माध्यम से मेले में भाग लेने वाले किसानों को जानकारी दी जायेगी।

उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित किए गए जिला स्काउट मास्टर सुशील

प्रतापगढ़। बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से जिला स्काउट मास्टर एवं जिला गाइड कैप्टन की प्रदेश स्तरीय तीन दिवसीय कार्यशाला प्रयागराज में आयोजित हुई। जिसमें स्काउट और गाइड की गतिविधियों की समीक्षा बेसिक शिक्षा निदेशक एवं भारत स्काउट और गाइड द्वारा की गई। कार्यशाला में स्काउटिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं दायित्यों के निर्वहन पर प्रदेश स्तर पर जिला स्काउट मास्टर सुशील कुमार सिंह को मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक प्रादेशिक आयुक्त राजेश मिश्र, आनंद सिंह रावत प्रदेश सचिव स्काउट एवं अरविंद कुमार श्रीवास्तव प्रादेशिक प्रशिक्षण आयुक्त ने सम्मानित किया। इस दौरान हीरालाल यादव प्रादेशिक संगठन आयुक्त स्काउट, कामिनी श्रीवास्तव प्रादेशिक प्रशिक्षण आयुक्त गाइड आदि मौजूद रहे। जिला स्काउट मास्टर सुशील कुमार सिंह के सम्मानित होने पर बीएसए भूपेंद्र सिंह व सभी बीईओ व कार्यालय कर्मियों ने बधाई दी है।

किसानों को निःशुल्क प्याज बीज का किया गया वितरण

प्रतापगढ़। एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत किसानों को निःशुल्क बीज वितरण के लिए रानीगंज के सुबंशा में बुधवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। वर्ष 2024–25 के लिए प्याज की खेती हेतु 125 कृषकों को प्याज बीज बांटे गए। नगर पंचायत अध्यक्ष सुवंशा वेद प्रकाश विन्द ने नगर पंचायत सुवंशा के वार्ड नं0–14 रामपुर में वितरण करते हुए किसानों को सरकार द्वारा उनके लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया। इस दौरान राकेश कुमार विन्द, गोविन्द कुमार, प्रमोद रावत, गणेश पाण्डेय, बाल मुकुन्द कनौजिया, पंकज कुमार विन्द सभासद सुवंशा तथा विभागीय कर्मचारियों में सहायक उद्यान निरीक्षक अभिषेक कुमार भारतीय एवं माली राजेश्वर सिंह आदि उपस्थित रहे।

पंखा लगाते समय करंट की चपेट में आई बालिका की मौत

प्रतापगढ़, संग्रामगढ़। घर में पंखा लगाते समय बालिका अचानक करंट की चपेट में आ गई। चीख सुनकर दौड़े पड़ोसी ने किसी तरह उसे करंट से छुड़ाया और इलाज को संग्रामगढ़ सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के गनऊ का पुरवा पूरे चमेला गांव निवासी राजेश कुमार की 10 वर्षीय बेटी रागिनी बुधवार को घर में अकेली थी, परिवार के लोग काम से गए थे। वह घर में पंखा लगा रही थी, लेकिन तार कहीं कटा होने के कारण प्लग लगाते ही लोहे के दरवाजे में करंट दौड़ गया। जिससे वह करंट की चपेट में आ गई। बालिका की चीख सुनकर पड़ोसी दौड़े और किसी तरह उसे करंट से छुड़ाया। परिजनों को खबर देकर उसे सीएचसी ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बालिका के मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन बगैर पुलिस को खबर दिए बालिका का शव लेकर घर चले गए।

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किये जाने की मांग को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रतापगढ़। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किये जाने को लेकर अधिवक्ताओं की मांग तेज हो गयी है। अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच भारत के मण्डल अध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह की अगुवाई में बुधवार को अधिवक्ताओं ने पीएम व सडीएम को सम्बोधित मांग डीएम संजीव रंजन को सौंपा।

संक्षिप्त

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन कोविड से ठीक होने के बाद व्हाइट हाउस लौटे

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अपने डेलावेयर हाउस में कई दिनों तक पृथकवास में रहने के बाद मंगलवार को व्हाइट हाउस लौट आए। उनके चिकित्सकों ने कहा कि वह कोविड–19 संक्रमण से उबर गए हैं। एक सवाल के जवाब में बाइडन ने कहा, ''मैं स्वस्थ महसूस कर रहा हूं।'' व्हाइट हाउस के चिकित्सक डॉ. केविन ओ कॉनर ने व्हाइट हाउस प्रेस सचिव को भेजे पत्र में कहा कि राष्ट्रपति ने बिनाक्स रैपिड एंटीजन टेस्ट कराया है और रिपोर्ट नेगेटिव आई है। उन्होंने कहा कि बाइडन में ''कोविड के कोई लक्षण नहीं हैं।'' बाइडन से जब पूछा गया कि डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की दौड़ से वह बाहर क्यों हो गए और क्या उप–राष्ट्रपति कमला हैरिस रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को इस चुनाव में हरा सकती हैं? तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

पेरिस में महिला के साथ पांच दरिंदों ने किया सामूहिक बलात्कार, सीसीटीवी में भीख की तरह मदद मांगती दिखी पीड़िता, हैवानों को नहीं आया तरस ?

पेरिस में एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ है। इसके बाद सीसीटीवी में वह कबाब की दुकान पर मदद मांगती दिखी। पुलिस ने बताया कि ओलंपिक से कुछ दिन पहले पेरिस में एक ऑस्ट्रेलियाई महिला के साथ कथित तौर पर पांच लोगों ने सामूहिक बलात्कार किया। फ्रांसीसी पुलिस इस अपराध की जांच कर रही है, जिसके बारे में उन्होंने बताया कि यह 20 जुलाई की आधी रात के बाद हुआ। सीसीटीवी फुटेज में 25 वर्षीय महिला को इस दर्दनाक घटना के बाद कबाब की दुकान पर शरण लेते हुए दिखाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उसकी पोशाक आंशिक रूप से फटी हुई थी और उसने उसे ''उल्टा'' पहना हुआ था। महिला ने शुक्रवार (19 जुलाई) की रात मौलिन रूज कैबरे के आसपास के बार और क्लबों में शराब पी थी, इससे पहले कि कथित तौर पर पुरुष एक अज्ञात स्थान पर उसके पास पहुँचे। इसके अलावा, उसने पुलिस को बताया कि पांचों पुरुष ''अफ्रीकी दिखने वाले'' थे और सुबह करीब 5 बजे उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। सीसीटीवी फुटेज में महिला को दुकान में भागते हुए दिखाया गया है, वह पूरी तरह से डरी हुई है और कर्मचारियों से मदद मांग रही है। हालांकि, कुछ ही मिनटों बाद, एक आदमी दुकान में घुसता है, लेकिन महिला उसे हमला करने वाले समूह के लोगों में से एक बताती है। खाने का ऑर्डर देने से पहले आदमी महिला की पीठ थपथपाता है। इसके बाद, डाइनर का एक कर्मचारी उस आदमी को पकड़ने की कोशिश करता है, लेकिन वह कबाब की दुकान से बाहर निकल जाता है। दुकान के मालिकों और कर्मचारियों ने महिला की मदद के लिए आपातकालीन सहायता दल को

बुलाया, हालांकि उन्होंने 25 वर्षीय महिला को सांत्वना देने की कोशिश की, लेकिन वे विफल रहे। इसके बाद दो अधिकारियों को ऑस्ट्रेलियाई महिला से अस्पताल ले जाने से पहले इस भयावह घटना के बारे में बात करते देखा जा सकता है। पुलिस को घटना के बारे में बताते समय महिला कथित तौर पर ष्बेहोश थी और फ्रेंच का एक शब्द भी नहीं बोल पा रही थीष्। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, वह हमले के सटीक स्थान या परिस्थितियों के बारे में जानकारी देने में असमर्थ थी। यह घटना उत्तरी पिगले जिले में हुई, जहां 25 वर्षीय महिला कथित तौर पर ''कुछ उलझन और परेशानी की स्थिति में'' सड़कों पर भटकती हुई देखी गई। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पेरिस अभियोक्ता कार्यालय ने कहा कि पुलिस महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज देखी जा रही है। इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। ऑस्ट्रेलियाई महिला ने कथित तौर पर हमले के बाद अगले दिन घर जाने के लिए फ्लाइट बुक कर ली थी, लेकिन अब वह जांच में पुलिस की मदद करने के लिए पेरिस में ही रुकी हुई है। इस बीच, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने ऑस्ट्रेलिया की ओलंपिक टीम की प्रमुख अन्ना मेयर्स के हवाले से कहा कि टीम को आरोपों की जानकारी है और उन्होंने एथलीटों से अतिरिक्त सावधानी बरतने का आग्रह किया है। रॉयटर्स ने मेयर्स के हवाले से कहा, ष्हमें अभी तक अपने एथलीटों से कोई फीडबैक नहीं मिला है कि वे असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हम उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं कि अगर वे गांव से बाहर जाते हैं, तो वे अकेले बाहर न जाएं, टीम की वर्दी न पहनें, केवल सादे कपड़े पहनें।ष 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक के कारण वर्तमान में फ्रांस की राजधानी में भारी पुलिस बल मौजूद है।

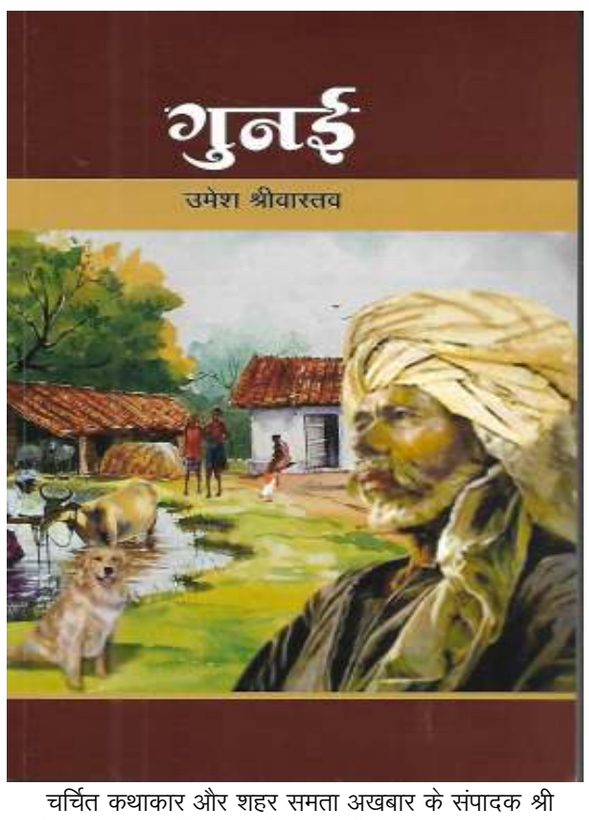

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

कमला हैरिस ने आते ही बना ली है डोनाल्ड ट्रंप पर 2% अंकों की बढ़त

अमेरिका में जबसे जो बाइडन राष्ट्रपति चुनाव की रेस से बाहर हुए हैं तबसे माना जा रहा है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ही डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार होंगी। कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी का नामांकन हासिल करने के लिए पर्याप्त समर्थन भी मिल गया है इसलिए अब उनके नाम की औपचारिक घोषणा होना ही बाकी रह गयी है। कमला हैरिस का नाम सामने आते ही अमेरिकी राजनीति में बड़ा बदलाव भी देखने को मिल रहा है। पिछले सप्ताह तक सभी सर्वेक्षणों में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप भारी बढ़त बनाये हुए थे लेकिन अब कमला हैरिस आगे निकलती दिखाई दे रही हैं। यह स्थिति तब है जब उनके नाम का अभी औपचारिक ऐलान भी नहीं हुआ है।

बढ़ रहा है कमला हैरिस का समर्थन

हम आपको बता दें कि अमेरिका में ताजा सर्वेक्षणों से कई बातें सामने आई हैं। जैसे उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रम्प पर दो प्रतिशत अंकों की बढ़त बना ली है। रॉयटर–इप्सोस पोल के परिणामों के मुताबिक कमला हैरिस को 44 प्रतिशत और डोनाल्ड ट्रंप को 42 प्रतिशत मतदाताओं ने पसंद किया। इसके अलावा, यूएस एबीसी न्यूज के लिए इप्सोस पोल में डेमोक्रेटिक मतदाताओं ने 60–39 से बाइडन के हटने का समर्थन किया। सर्वे यह भी बताता है कि बाइडन चुनाव लड़ते तो हार जाते मगर पेंसिल्वेनिया, नेवादा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन और एरिज़ोना राज्यों में अमेरिकी सीनेट के सर्वेक्षण से पता चलता है कि डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जीत रहे हैं और बाइडन की तुलना में बहुत बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। यानि डेमोक्रेट्स के लिए सिर्फ बाइडन ही समस्या थे। इसके अलावा, दो और चीजें हैं जिनसे कमला हैरिस को फायदा होना चाहिए। एक यह है कि आर्थिक आंकड़ों में सुधार हुआ है, मुद्रास्फीति में गिरावट आई है और वास्तविक कमाई बढ़ी है। दूसरी बात यह है कि बाइडन चुनाव तक लगभग 82 वर्ष के हो चुके होंगे, जबकि हैरिस तब तक 60 वर्ष की होंगी। ट्रंप 78 वर्ष के हैं, इसलिए उम्र का जो विभाजन बाइडन के लिए प्रतिकूल था, वह कमला हैरिस के लिए अनुकूल होगा। साथ ही कमला हैरिस के प्रति समर्थन कितना बढ़ रहा है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके चुनाव अभियान में आर्थिक सहयोग करने वालों की बाढ़–सी आ गयी है।

कमला हैरिस का सियासी सफ़र, क्या अमेरिका को मिलेगी पहली महिला राष्ट्रपति?

अमेरिकी राजनीति में जो आधी सदी में नहीं हुआ था वो अब हो गया। 56 साल पहले 1968 में लिंडन जॉनसन ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ी थी। अब जो बाइडेन के 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से बाहर होने की खबर आई और उन्होंने अपने हटने का ऐलान करते हुए जो नाम लिया उससे हम परिचित हैं और भारत से भी उनका कनेक्शन रहा है। हम बात भारतीय मूल की अमेरिका की वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की कर रहे हैं।

जो बाइडेन ने कहा कि उनको उपराष्ट्रपति बनाने का निर्णय अब तक का उनका सबसे अच्छा निर्णय था। कमला हैरिस ने भी पुष्टि की कि अब वो डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने की कोशिश करेंगी। कमला हैरिस अब इतिहास के मोड़ पर खड़ी हैं और उन्हें वो करना है जो अमेरिकी क्रांति के बाद से कभी नहीं हुआ। अगर वो राष्ट्रपति बनती हैं तो जॉर्ज वाशिंगटन और जार्ज एडम से शुरू हुई परंपरा में पहली बार एक महिला का नाम जुड़ेगा। ऐसे में आज आपको कमला हैरिस की कहानी बताते हैं।

कमला हैरिस का सियासी सफर

अमेरिका के राष्ट्रपति की उम्मीदवारी से जो बाइडेन के हटने के बाद जिस शख्स पर दुनिया की नजर है वो कमला हैरिस हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस तब से सुर्खियों में छाई हुई हैं, जब राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ आगामी चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के लिए उनका समर्थन किया है। हैरिस के पति और दो सौतेले बच्चे हैं। 59 वर्षीय हैरिस की शादी 2014 से डौग एम्हॉफ से हुई है। यह एम्हॉफ की दूसरी और हैरिस की पहली शादी थी। एम्हॉफ पहली बार हैरिस से 2013 में मिले थे और लॉस एंजिल्स में एक मनोरंजन वकील के रूप में काम करते थे।

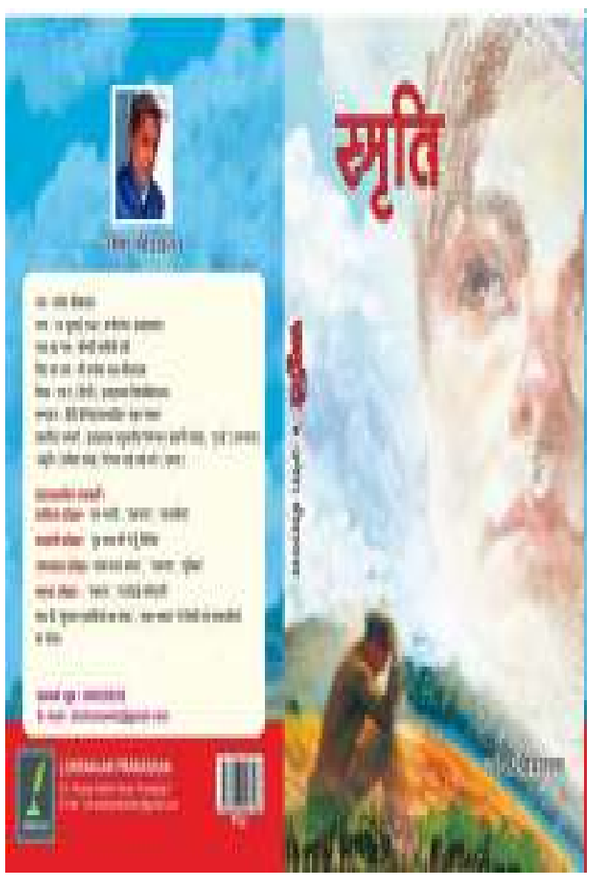

एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

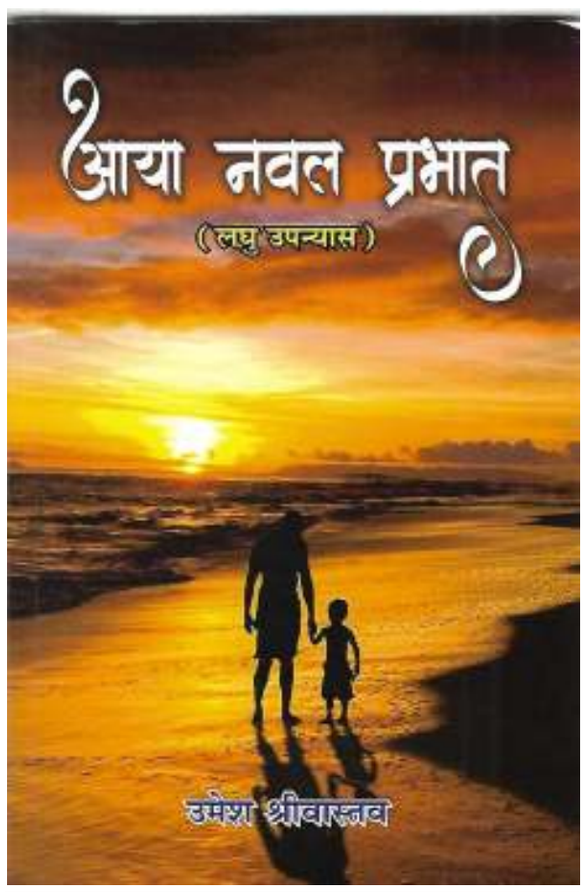

उत्तर कोरिया की ओर से दक्षिण कोरिया भेजे गए कचरे से भरे गुब्बारे राष्ट्रपति कार्यालय परिसर में गिरे

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की ओर कचरे से भरे गुब्बारे भेजे जो राष्ट्रपति कार्यालय परिसर में जा कर गिरे हैं। समाचार एजेंसी 'योनहप' ने अपनी खबर में यह जानकारी दी। योनहप ने अपनी खबर में हालांकि इससे ज्यादा जानकारी नहीं दी लेकिन मीडिया में आई अन्य खबरों में कहा गया कि इन गुब्बारों से किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा है। दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया था कि उत्तर कोरिया ने बुधवार को सियोल की ओर कचरे से भरे और गुब्बारे भेजे। सियोल के अधिकारियों ने भी बताया कि उत्तर कोरिया ने बुधवार को दक्षिण कोरिया की ओर संभवतः कचरे से भरे और गुब्बारे उड़ाए। कुछ दिन पहले ही दक्षिण कोरिया ने जवाबी कार्रवाई करते हुए सीमा पर उत्तर कोरिया के संबंध में दुष्प्रचार संदेश प्रसारित किए थे। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक बयान में बताया कि उत्तर कोरिया की ओर से भेजे गए कचरे से भरे गुब्बारे बुधवार को सीमा पार करके सियोल के उत्तर में उड़ रहे थे। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

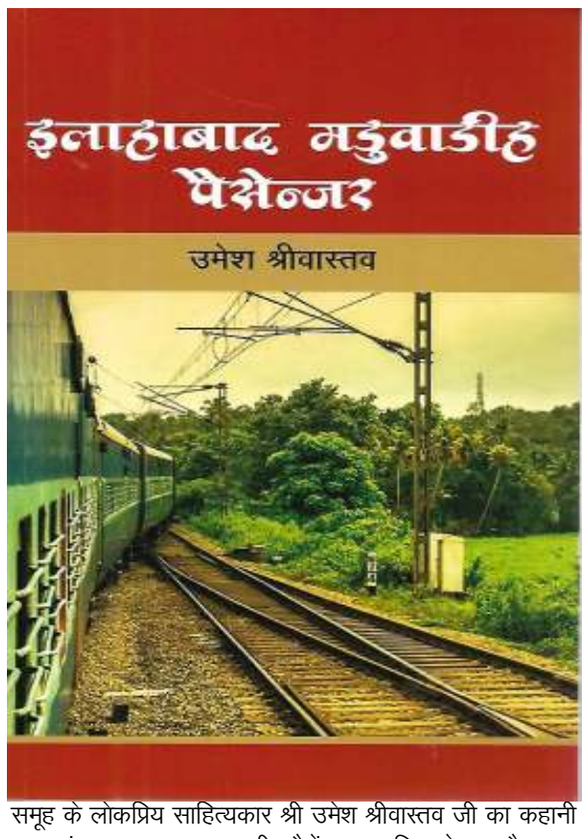

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

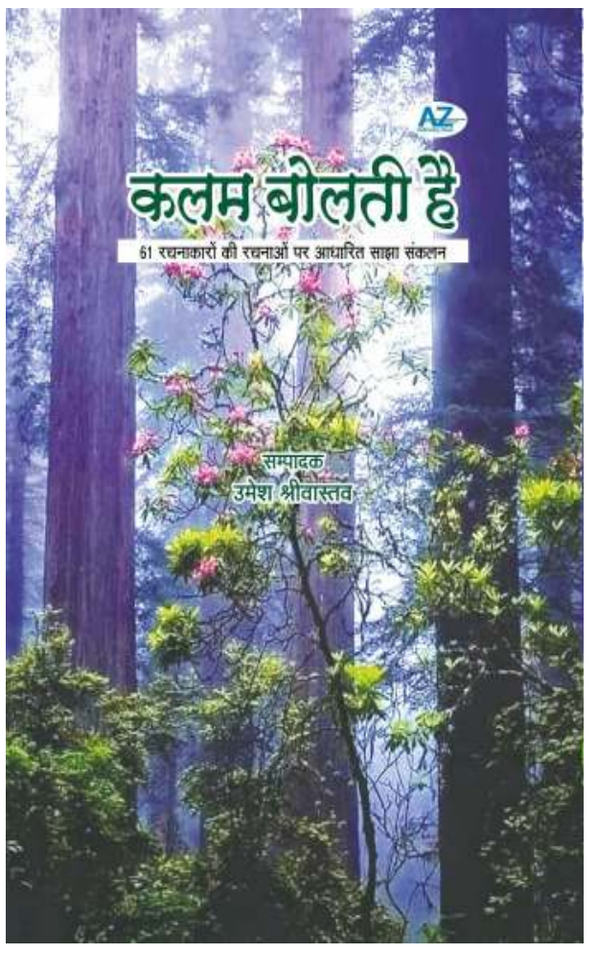

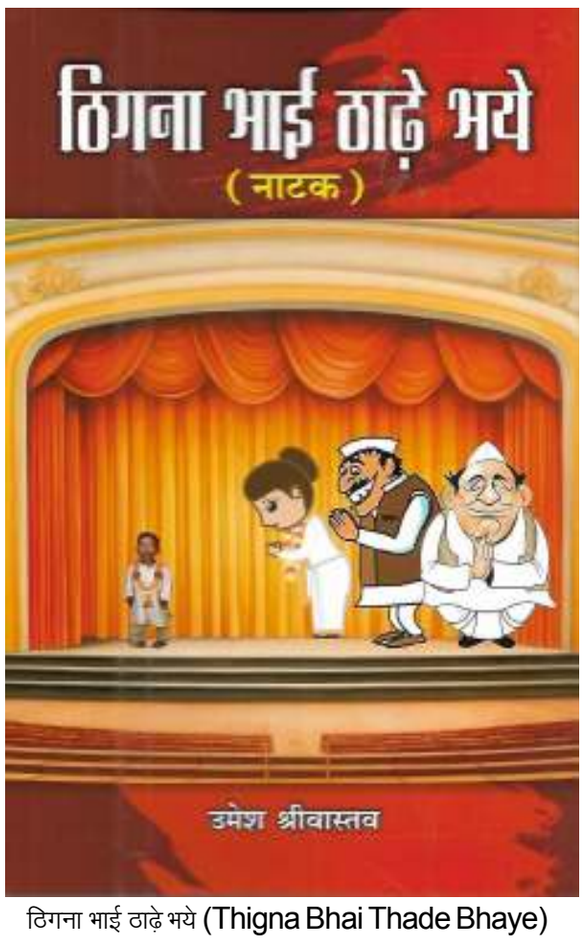

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)